बर्षः- 05
अंकः- 299
मुरादाबाद
(Friday)
20 February 2026
पृष्ठः-8
मूल्यः- 3.00 रूपया

दैनिक प्रातः कालीन
क्यूँ न लिखूँ सच
मुरादाबाद से प्रकाशित
भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001
राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, बहराइच, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

एआई के लिए क्या है PM मोदी का MANAV दृष्टिकोण?: नैतिकता से राष्ट्र की संप्रभुता पर जोर, भारत की भूमिका भी बताई

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एआई इम्पैक्ट समिट में ÒM.A.N.A.V.Ó विजन पेश करते हुए कहा कि एआई का विकास नैतिक, जवाबदेह, समावेशी और मानव-केंद्रित होना चाहिए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एआई इम्पैक्ट समिट में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के विकास के लिए 'M.A.N.A.V.' विजन की बात करते हुए कहा कि एआई को नैतिक, जवाबदेह और मानव-केंद्रित होना चाहिए।

उन्होंने बताया कि रूका अर्थ है नैतिक और नीतिपरक प्रणालियां (Moral and Ethical Systems), A का मतलब जवाबदेह शासन (Accountable Governance), N का मतलब राष्ट्रीय संप्रभुता (National Sovereignty), A का अर्थ सुलभ और समावेशी (Accessible and Inclusive), और V का अर्थ वैध और विश्वसनीय (Valid and Legitimate)। प्रधानमंत्री ने जोर दिया कि एआई का विकास मानवता के हित में होना चाहिए और इसे इस तरह विकसित किया जाए कि तकनीक का लाभ समाज के हर वर्ग तक पहुंचे, साथ ही पारदर्शिता, भरोसा और जिम्मेदारी भी सुनिश्चित हो। एआई को वैश्विक स्तर पर साझा हित के रूप में विकसित करने का संकल्प लेना होगा पीएम मोदी ने कहा कि हमें एआई का लोकतंत्रीकरण कर ये सुनिश्चित करना होगा कि मनुष्य केवल डेटा प्वाइंट या रॉ मैटेरियल न बन जाए। उन्होंने कहा कि हमें एआई को खुली छूट देनी होगी, लेकिन साथ ही हमें इसकी बागडोर अपने हाथों में रखनी होगी। उन्होंने कहा कि हमें एआई का लोकतंत्रीकरण कर ये सुनिश्चित करना होगा कि मनुष्य केवल डेटा प्वाइंट या रॉ मैटेरियल न बन जाए। उन्होंने कहा कि हमें एआई को खुली छूट देनी होगी, लेकिन साथ ही हमें इसकी बागडोर अपने हाथों में रखनी होगी। उन्होंने एआई के लोकतंत्रीकरण पर जोर देते हुए कहा, विशेष रूप से वैश्विक दक्षिण के लिए हमें इसे समावेशन और सशक्तिकरण का एक उपकरण बनना होगा। पीएम मोदी ने कहा, हमारा मानना है कि एआई से तभी लाभ हो सकता है जब इसे साझा किया जा सके; हमें एआई को एक वैश्विक साझा हित के रूप में विकसित करने का संकल्प लेना चाहिए। एआई के लिए हमारा मानदंड- सभी का कल्याण और खुशी-प्रधानमंत्री ने कहा, कृत्रिम बुद्धिमत्ता एक ऐसी ताकत है, जिसकी मदद से तेजी से बदलाव लाए जा सकते हैं। उन्होंने कहा, हालांकि, यह ऐसी शक्ति है जो अगर अपने लक्ष्यों से भटक जाए तो विनाश भी हो सकता है। यदि इसका सही उपयोग किया जाए, तो यह समाधान प्रदान करती है। सभी का कल्याण और खुशी ही एआई के लिए हमारा मानदंड है। प्रधानमंत्री मोदी ने इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 में एआई को मानवता के लिए बड़ा अवसर बताया। उन्होंने भगवान बुद्ध की शिक्षाओं पर चर्चा करते हुए इसके सही समझ और सही उपयोग पर जोर दिया प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 के मुख्य सत्र संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने पूरी दुनिया से अपील की कि तकनीक के इस दौर में आ रहे बदलावों को मानवता के लिए एक बड़े अवसर में बदलें। पीएम मोदी ने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की सफलता सही समझ और सही काम पर टिकी है। संबोधन के दौरान प्रधानमंत्री ने एआई के भविष्य को लेकर भगवान बुद्ध की शिक्षाओं का जिक्र किया। उन्होंने कहा, भारत बुद्ध की धरती है। भगवान बुद्ध ने सिखाया था कि सही काम हमेशा सही समझ से आता है। उन्होंने जोर दिया कि एआई के लिए एक ऐसा रास्ता (रोडमैप) बनाना जरूरी है, जो सही इरादे और सही समय पर लिए गए फैसलों पर आधारित हो। तभी एआई का असली और सकारात्मक असर दिखेगा। पीएम मोदी ने एक ऐसे एआई इकोसिस्टम की वकालत की, जो संवेदनशील हो और जिसमें इंसान केंद्र में हो। उन्होंने भरोसा जताया कि यह समिट एक नैतिक और जिम्मेदार डिजिटल भविष्य बनाने में मदद करेगी। प्रधानमंत्री ने कहा कि इतिहास गवाह है कि इंसानों ने हर चुनौती को एक नए मौके में बदला है। आज एआई के रूप में हमारे पास फिर से ऐसा ही मौका है।सहयोग की अहमियत बताते हुए पीएम मोदी ने कोरोना महामारी का उदाहरण दिया। उन्होंने कहा कि उस संकट के दौरान दुनिया ने देखा कि मिलकर काम करने से नामुमकिन भी मुमकिन हो जाता है। वैक्सीन बनाने से लेकर सप्लाई चेन चलाने और लोगों की जान बचाने तक, सब कुछ आपसी सहयोग से ही सफल हुआ। एआई के क्षेत्र में भी दुनिया को इसी तरह साथ आने की जरूरत है।

यूपी बजट सत्रः शिवपाल बोले- मंत्री जी के नहीं मेरे कहने पर सिंचाई के लिए अफसरों ने छोड़ा पानी

यूपी विधानमंडल का बजट सत्र जारी है। आरोप-प्रत्यारोप के बीच विपक्ष सरकार को लगातार घेरने की कोशिश कर रहा है। वहीं, सत्ता पक्ष भी पूरी तरह तैयार नजर आ रहा है। बजट में रखरखाव और मेंटीनेंस में कटौती की गई है सपा नेता शिवपाल सिंह यादव ने कहा कि योगी सरकार की ओर से सिंचाई और बाढ़ नियंत्रण के लिए पेश किए गए बजट में भ्रष्टाचार, अक्षमता और दिखावटीपन ज्यादा है। कई योजनाओं में वास्तविक व्यय कम हुआ है। रखरखाव और मेंटीनेंस में कटौती की गई है। बजट में बुंदेलखंड और पूर्वांचल के बजट में कटौती की गई है। शिवपाल ने जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह पर टिप्पणी करते हुए कहा कि मैंने सिंचाई के लिए नहरों में पानी छोड़ने के लिए आपको कॉल किया लेकिन पानी नहीं छोड़ा गया फिर मैंने खुद अधिकारियों को फोन किया तो पानी मिला। इतने समय तक मंत्री रहने के बाद भी अधिकारी आपकी नहीं सुनते कहीं तो कमी है। यूपी के जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने सदन में जवाब देते हुए कहा कि प्रदेश में बाढ़ को नियंत्रित करने के लिए 150 से अधिक परियोजनाएं चलाई जा रही हैं। बाढ़ नियंत्रण के लिए लगातार

योजनाओं की मॉनिटरिंग की जा रही है और हर वर्ष 15 जून तक कार्य समाप्त कर लिया जाता है क्योंकि ये माना जाता है कि इसके बाद बाढ़ आ जाती है।यूपी विधान परिषद में सपा ने किसानों के मुद्दे पर सदन से बर्हिगमन कर दिया। जिसके बाद विधान परिषद की कार्यवाही 3.30 बजे तक भोजनावकाश तक के लिए स्थगित कर दी गई।ऊर्जा मंत्री ने कहा कि सपा के लोगों ने प्रदेश को बीमारू बनाकर रखा था। हमारी सरकार की कोशिशों से अब प्रदेश में बिजली की खपत प्रति व्यक्ति 724 यूनिट हो गई है। यह पहली बार हुआ है जब गरीब उपभोक्ताओं के बिल जमा करने पर 25 प्रतिशत की छूट दी गई और किसानों के बिजली के बिल माफ किए गए हैं। बिजली के निजीकरण पर की जा रही चर्चाओं पर ऊर्जा मंत्री ने कहा कि मैंने पहले भी कहा है कि हम जो भी करेंगे वो राज्य के जनता के हित में, पिछड़ों के हित में और पिछड़े क्षेत्रों के विद्युतीकरण को ध्यान में रखते हुए करेंगे। उन्होंने कहा कि विपक्ष के लोग कर्मचारियों के हित की बात करते हैं लेकिन एक भी कर्मचारी ने हड़ताल नहीं की है।यूपी के ऊर्जा मंत्री ने सदन में बिजली के निजीकरण को लेकर जवाब देते हुए कहा कि प्रदेश के इतिहास में यह पहली बार हुआ है जब छह साल में एक भी पैसा बिजली की दरें नहीं बढ़ाई गई हैं। यह 2017 के बाद पहली बार ऐसा हुआ जब प्रदेश के हर नागरिक तक बिजली पहुंचाने का काम किया गया। अब लोगों को निर्बाध, बिना रुकावट बिजली मिल रही है। यह डबल इंजन की सरकार के कारण ही है कि यूपी देश में पहली बार सर्वाधिक बिजली आपूर्ति करने वाला राज्य बना।

संक्षिप्त समाचार

सीआरपीएफ महानिदेशक बोले- अपनी आखिरी सांसें गिन रहा है नक्सलवाद, मार्च तक देश से हो जाएगा खत्म

केंद्रीय गृह मंत्री ने मार्च 2026 तक देश से नकस्लवाद खत्म होने की बात कही थी। इस पर सीआरपीएफ के महानिदेशक जीपी सिंह ने कहा कि नक्सलवाद अपने अंतिम चरण में है।केंद्रीय गृह मंत्री ने पिछले साल एलान किया था कि मार्च 2026 तक देश से नकस्लवाद खत्म हो जाएगा। इसी बीच सीआरपीएफ के महानिदेशक जीपी सिंह का एक बयान सामने आया है। उन्होंने गुरुवार को कहा कि नक्सलवाद अपने अंतिम चरण में है। उन्होंने कहा कि गृह मंत्री अमित शाह के घोषणा के अनुसार मार्च तक देश से इस खतरे का उन्मूलन कर दिया जाएगा।

नक्सलवाद ने अंतिम चरण में है गुवाहाटी में बल की डीजी परेड को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि सीआरपीएफ ने पिछले साल अन्य सुरक्षा एजेंसियों के साथ संयुक्त अभियानों में नक्सलियों के खिलाफ निर्णायक कदम उठाए हैं। उन्होंने कहा, नक्सलवाद अपने अंतिम चरण में है। जैसा कि हमारे केंद्रीय गृह मंत्री ने घोषणा की है, मार्च 2026 तक इसका पूरी तरह से उन्मूलन हो जाएगा। सिंह ने कहा कि सीआरपीएफ के जवान मणिपुर में सराहनीय काम कर रहे हैं।उन्होंने कहा, हमारी सेना एक निष्पक्ष एजेंसी के रूप में इस क्षेत्र के लोगों का विश्वास जीतने में सक्षम रही है। सीआरपीएफ की वर्षगांठ परेड से पहले डीजी की परेड का आयोजन किया गया, जिसमें शाह शनिवार को शामिल होंगे।

यूएन महासचिव ने किया आगाह, कहा- एआई को इंसान का विकल्प नहीं, सहारा बनना चाहिए

यूएन महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट में एआई को सुरक्षित और समावेशी बनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि एआई इंसानों की जगह न ले और बच्चों के लिए सुरक्षित हो। उन्होंने एआई के विकास के लिए 3 अरब डॉलर के ग्लोबल फंड की मांग भी की। संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुटेरेस गुरुवार को इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट में शामिल हुए। उन्होंने अपने भाषण में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की चुनौतियों को लेकर चेतावनी दी। गुटेरेस ने कहा कि एआई को इंसानों की जगह नहीं लेनी चाहिए। इसके बजाय एआई को इंसानी क्षमता बढ़ाने में मदद करनी चाहिए। एआई के खतरे को लेकर उन्होंने कहा, हमें श्रमिकों में निवेश

करना चाहिए, ताकि एआई इंसानी क्षमता को बढ़ाए, उसे प्रतिस्थापित न करे। नई दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट के उद्घाटन पर उन्होंने एआई के विस्तार से उत्पन्न होने वाली सामाजिक, आर्थिक और पारिस्थितिक समस्याओं से निपटने की अपील की। उन्होंने कहा, असली इम्पैक्ट का मतलब है ऐसी तकनीक जो जिंदगी को बेहतर बनाए और धरती की रक्षा करे। आइए, डिफॉल्ट सेटिंग के रूप में गरिमा के साथ सबके लिए एआई बनाएं।ग्लोबल वार्मिंग और पर्यावरण पर असर के बारे में उन्होंने कहा, जैसे-जैसे एआई की ऊर्जा और पानी की मांग बढ़ रही है, डेटा सेंटर और सप्लाई चेन को स्वच्छ ऊर्जा पर स्विच करना चाहिए, न कि इसका बोझ कमजोर समुदायों पर डालना चाहिए। उन्होंने जोर देकर कहा कि एआई सभी के लिए सुरक्षित होना चाहिए। इसके लिए लोगों को शोषण, हेरफेर और दुरुपयोग से बचाना जरूरी है।बच्चों पर सोशल मीडिया के बुरे असर को लेकर जारी विवाद के बीच एंटोनियो गुटेरेस ने कहा, किसी भी बच्चे को अनियंत्रित एआई का परीक्षण विषय नहीं बनाया जाना चाहिए। गुटेरेस ने कहा, एआई सभी का होना चाहिए। बिना निवेश के कई देश एआई के दौर से बाहर हो जाएंगे। उन्होंने एआई पर एक वैश्विक फंड की अपनी मांग दोहराई और कहा, हर जगह बुनियादी क्षमता विकसित करने के लिए कौशल, डेटा, सस्ती कंप्यूटिंग शक्ति और सबको साथ लेकर चलने वाले इकोसिस्टम की जरूरत है। उन्होंने एआई वैश्विक फंडिंग के लिए इस बार तीन बिलियन डॉलर का लक्ष्य तय किया और कहा कि तीन बिलियन डॉलर किसी एक टेक कंपनी के सालाना राजस्व के एक प्रतिशत से भी कम है। उन्होंने कहा कि यह एआई विस्तार की एक छोटी कीमत है जिससे सभी को फायदा होता है, जिसमें एआई बनाने वाले व्यवसाय भी शामिल हैं। सिर्फ माइक्रोसॉफ्ट हर साल 305 बिलियन डॉलर कमाती है। गुटेरेस ने कहा कि हालांकि एआई असमानता को गहरा कर सकता है

डीके शिवकुमार और राहुल गांधी पर बरसे भाजपा नेता, कर्नाटक में कचरा विवाद पर छिड़ी सियासी जंग

बेंगलुरु में कचरा विवाद को लेकर भाजपा ने कर्नाटक की कांग्रेस सरकार पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगाए हैं। भाजपा विधायकों ने उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार और राहुल गांधी पर निशाना साधा। नेताओं ने कहा कि सरकार जनता की समस्याएं सुलझाने में नाकाम रही है।बेंगलुरु में कचरा निपटान को लेकर विवाद काफी बढ़ गया है। कर्नाटक भाजपा के विधायकों ने गुरुवार को कांग्रेस सरकार के खिलाफ तीखी बयानबाजी की। भाजपा नेताओं ने आरोप लगाया कि सरकार सिर्फ बातें कर रही है, लेकिन जमीन पर कोई काम नहीं हो रहा है।क्या बोले भाजपा विधायक?भाजपा विधायक सीटी रवि ने पत्रकारों से कहा कि उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार %ब्रांड बेंगलुरु% की बात करते हैं, लेकिन असल में इसका मतलब भ्रष्टाचार है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार जनता को बेवकूफ बना रही है और लोगों की समस्याएं सुनने वाला कोई नहीं है। भाजपा की राज्य कार्यकारिणी बैठक पर भाजपा विधायक सीटी रवि ने

कहा, भाजपा हमेशा संगठन को मजबूत करने और विस्तार के लिए काम करती है। इसकी वजह से हम यहां लोगों से बातचीत कर उनकी बातें आगे ले जा सकते हैं। भाजपा हमेशा सबके साथ खड़ी रहती है। हमारी ताकत ही हमारे कार्यकर्ता हैं। जनता को भी पता है कि कौन सी पार्टी उनका साथ दे रही है।राहुल गांधी पर साधा निशाना- सीटी रवि ने राहुल गांधी पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के नेता ही राहुल गांधी को अपना नेता नहीं मान रहे हैं और जनता भी उन्हें नकार रही है। यही वजह है कि उनका गठबंधन लगातार चुनाव हार रहा है। दूसरी तरफ, प्रधानमंत्री मोदी लगातार जनता के हित में काम कर रहे हैं और भाजपा शासित राज्यों के लोग खुश हैं। उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार पर भाजपा का हमला- उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार पर निशाना साधते हुए भाजपा विधायक एस सुरेश कुमार ने कहा, डीके शिवकुमार को उपमुख्यमंत्री होने के नाते, मुझे लगता है कि उन्हें उन लोगों की हालत समझनी चाहिए। बड़ापुर और महादेवपुरा दोनों जगहों पर, सारा कचरा वहीं जमा हो रहा है और इससे लोगों को दिक्कत हो रही है। इस मुद्दे पर बात करने के बजाय, उन्हें कहना चाहिए था कि मैं विधायकों से बात करूंगा, मैं बस देखूंगा कि यह मुद्दा हल हो जाए। कर्नाटक कचरा विवाद पर भाजपा प्रवक्ता अजय आलोक ने कहा, कर्नाटक में कांग्रेस सरकार खुद भ्रष्ट हो गई है, और इस भ्रष्टाचार में भी पैसा कमाने की होड़ लगी हुई है। कल ही हमने देखा कि उनके नाम पर 10-10 प्लॉट अलॉट किए गए, जिससे गांधी परिवार को फायदा हुआ।

संपादकीय Editorial

The War Runway

When Prime Minister Modi landed his C-130J aircraft on the first emergency airstrip in the Northeast, in Dibrugarh, Assam, he became the first world leader and the first head of government. This milestone is a significant achievement and multifaceted. Our Rafale, Sukhoi-30, and Tejas fighter jets also touched down on the emergency runway and then took off. This 40-minute maneuver was witnessed by China, 200 kilometers away, and many countries around the world were alarmed! Prime Minister Modi formally inaugurated the airstrip and witnessed the maneuvers. This landing of the world's first Prime Minister is not just an electoral or political narrative; it is also a demonstration of our defense preparedness, strategic strength, technological capabilities, and, of course, national security shield. It is also an expression of self-reliant India. This air defense front and emergency airstrip are also essential because the style of warfare is changing. Now, the enemy first cripples the enemy's air force by attacking air bases, bases, and targets. During "Operation Sindoor," Indian Air Force fighter jets and missiles attacked and destroyed key Pakistani airbases, leaving deep craters in the airbases, leaving behind a vast expanse of debris. It has been reported that our aircraft destroyed nine enemy airbases, including radars, AEW systems, and other systems, so effectively that conducting air operations from there and preparing the airbases for war would take a long time. Although our relations with China are changing and improving, China remains a rival and untrustworthy country, and a section of the ruling and political establishment within India continues to consider it "enemy number one." Nevertheless, this 4.2-kilometer-long airstrip, built on National Highway 37, at a cost of ?100 crore, will be able to land 40-ton fighter jets and also operate 74-ton transport aircraft. In case of war or any emergency, rescue and military operations will be immediately possible. An emergency airstrip was also built on the Purvanchal Expressway in Uttar Pradesh. The Prime Minister landed there as well. Indeed, such strategic preparations demonstrate that the world of defense production and military strategy has transformed in India. While allocating ?7.85 lakh crore to the Ministry of Defense in the 2026-27 budget may be a national, annual formality, India's own defense production in 2024-25 exceeded ?1.54 lakh crore, a record and 174 percent higher than in 2014-15. India has exported BrahMos missiles, Dornier-228 aircraft, bulletproof jackets, Chetak helicopters, light torpedoes, interceptor boats, and ammunition worth ?23,622 crore to more than 100 countries. Countries like the United States and France are also buyers of our defense equipment. Is this not a reflection of India becoming strategically self-reliant? The Tejas fighter aircraft that participated in the exercise is an indigenous, Indian aircraft. Now, 60% of the Rafale fighter aircraft's components and equipment will be manufactured and produced in India. This is enshrined in the new agreement with France for 114 Rafale aircraft. Therefore, 96 Rafale aircraft will be manufactured in India. The remaining 18 aircraft will be manufactured in France. India has set a target of increasing defense production to ?3 lakh crore and exports to ?50,000 crore by 2029. This year, the budget also includes a capital budget of ?2.19 lakh crore to significantly modernize and strengthen weapons, missiles, aircraft, drones, and other military capabilities. It is noteworthy that increased domestic defense production has reduced dependence on imports. This has enabled the integration of over 16,000 small, micro, and medium enterprises,

Discussion on AI in the Judiciary, Strengthening the Justice System

The India AI Impact Summit discussed the use of AI in the judiciary, which aims to strengthen India's judicial system. AI can reduce paperwork and aid research and will be based on human discretion. translation and file analysis. Judicial the backlog of cases. It is appropriate intelligence in the judiciary was discussed how machine learning can included legal experts from law firms, in the judicial system will increase in AI is being used in every sphere of While AI is being used in the judicial whether it is achieving the desired

analysis through machine learning, but decisions Under the e-Courts project, AI tools are helpful in reforms are also essential for effective use to reduce and timely that a session on the use of artificial organized at the India AI Impact Summit. It strengthen India's judicial system. Since the event along with jurists, it is expected that the use of AI the future and will also benefit the public. When life, it should also be used in the judicial system. system on a limited scale, it remains to be assessed results. Currently, under the e-Courts project, various AI-based tools are being used in the judicial system. For example, a machine learning tool translates court judgments from English to regional languages. Thousands of judgments have been translated into various languages ??through this. Another tool helps analyze files and find relevant laws and precedents. Similarly, some High Courts are using tools that convert witness statements directly into digital text. AI should be used in the judicial system in a way that increases the chances of people getting timely justice. Of course, AI cannot, and should not, be used for such a purpose. AI cannot replace human judgment, but it can certainly be used to reduce the burden of paperwork. Research, analysis, and data collection can also be performed through AI. Furthermore, it should be understood that the use of AI in the judicial system will only be effective if the required judicial reforms are also implemented. It is essential to put an end to the cycle of adjournments. Similarly, it is crucial to curb frivolous petitions in the name of public interest litigation. It should not be overlooked that while reforms are taking place in every field, fundamental judicial reforms that are necessary are not progressing. As a result, the backlog of cases continues to grow, from district courts to the Supreme Court. Crores of pending cases not only frustrate millions of people but also hinder the nation's progress.

An effort to shape the AI ??landscape, potentially rebalancing geopolitics.

India hosted the AI ??Impact Summit in New Delhi, symbolizing an inclusive and democratic shift in the global AI discourse. Its goal is to shift the focus of AI from security to the benefit and development of humanity. With the mantra of "AI for Humanity," India seeks to maintain strategic autonomy in an era of technological nationalism while addressing the needs of the Global South. This summit reflects India's aspiration for AI leadership. The AI ??Impact Summit, which began in New Delhi, is not only a milestone on the diplomatic front but also a symbol of a well-planned strategic reorientation. This summit reflects India's desire to influence and democratize the discourse surrounding this emerging technology. Through this event, India seeks to shift the discussion around AI (Artificial Intelligence) beyond abstract concerns of security and

competitive advantage to its impact. Questions like who benefits from it and who doesn't, and who sets the rules of the game? Previous AI-related events have been held in developed countries, and for the first time, such a summit is being held in the Global South. Symbolically, this is also a major shift. In previous events, discussions focused primarily on the development and risks of AI models. In this regard, this event hosted by India will tell a different story. India is striving to redefine AI operations beyond a technical issue to a developmental aspect. This reflects Prime Minister Narendra Modi's mantra of "AI for Humanity," that technology should serve broader public interests rather than the growth of private capital. India's agenda is based on three key pillars: People, Planet, and Progress. These three pillars are divided into seven thematic "cycles" in practical terms. These seven cycles are: democratization of access to computing and data, AI for social impact, safe and reliable AI, AI in manufacturing and supply chains, agriculture and food security, healthcare, and AI for the Global South. This approach highlights AI as a strategic option within the framework of inclusion and sustainability. In this regard, emphasis is also being placed on mini-AI. Mini-AI refers to models that are easy to use, cost-effective, and multilingual, especially in contexts with poor connectivity. With this approach, India seeks to demonstrate that innovation need not necessarily be limited to large-scale and cutting-edge systems. Instead, its vision places utility at the center, including predictive public health models, climate-resilient agriculture, and digitized service delivery. This makes AI not merely a display of corporate prowess, but a tool for strengthening state capabilities. Thus, it becomes a developmental pragmatist, on the one hand, and a geopolitical force, on the other. India's aspiration is not limited to being a compliant with global AI standards; it also seeks to be an active participant in them. With over 3 million AI professionals and the world's third-largest startup ecosystem, New Delhi believes it possesses the demographic and entrepreneurial strengths to steer this discourse. In this context, AI pioneers like Sam Altman's assertion that India has immense potential to become a full-stack AI leader reinforces the belief that the country can lead a broad coalition of emerging economies. The involvement of institutions like the World Bank and the United Nations in this conference also reflects its multilateral orientation. Overall, India is positioning itself on the AI ??landscape as a bridge between Western innovation centers and the operational needs of the Global South, the US-led entrepreneurial ecosystem, and China's extensive, state-controlled ecosystem. A path toward AI governance also reflects India's broader foreign policy orientation. Maintaining strategic autonomy without isolation is at the core of this policy. In this era of technological nationalism, such an approach not only allows for engagement with global power centers but also amplifies the voices of countries in Africa, Southeast Asia, and South America. India's voice on the global stage is also aligned with its domestic policies. In this regard, AI-related initiatives in welfare infrastructure, healthcare, agricultural advisory, and digital governance provide a solid foundation for India's claims. This clearly indicates that India is not merely preaching technological inclusion, but also practicing it. Ambitions always face the test of reality. There is no doubt that India's technological capabilities are still limited. Dependence on foreign countries for its semiconductor supply chain puts technological sovereignty into question. Furthermore, there are issues ranging from algorithmic bias to personal data protection. Therefore, if India is vocal about AI reliability globally, it must also demonstrate regulatory adaptability at home. Therefore, this AI Summit presents both challenges and opportunities for India. If India succeeds, it may be able to rebalance the geopolitics of AI. It is certain that India will not be satisfied with merely occupying a compartment on this AI Express. It also wants to be part of the engine.

मेरी रूह मुझे सुकून नहीं दे रही... मैं अल्लाह के पास जा रहा हूं; छात्र ने नोट में ये बातें लिख दी जान

एक दिन से लापता छात्र ने बरेली में ट्रेन से कटकर जान दे दी। ठाकुरद्वारा नगर के मोहल्ला वार्ड 26 में रहने वाला रियाज 16 फरवरी से लापता था। छात्र ने सुसाइड नोट भी लिखा था।मेरी रूह मुझे सुकून नहीं दे रही हैं मैं अपने अल्लाह के पास ज रहा हूं। छात्र रियाज बाद बरेली में ट्रेन से कटकर जान दे दी।इसकी जानकारी फरवरी से छात्र लापता था और पुलिस और परिजन उसकी आरिफ कन्फेक्शनरी सेल्समैन का काम करते हैं। उनका भी स्टेनो की तैयारी कर रहा था।रविवार को अचानक उसने वह सुसाइड कर रहा है। इसके बाद वह घर से चला गया था। और परिजनों ने उसकी काशीपुर, जसपुर, रेलवे स्टेशन सहित दोपहर उत्तराखंड के सुल्तानपुर पट्टी में मिली थी। इसके बाद पुलिस उसकी तलाश कर रहे थे। इसी दौरान बुधवार शाम बरेली में मिलने की जानकारी मिली। कोतवाली के प्रभारी ली है। उनका कहना है कि वह पिछले पांच दिन से सोया भी कराया था।सुसाइट नोट- मैं शुक्रगुजार हूं अपने अम्मी होशो हवास में मैं अल्लाह के पास जा रहा हूं क्योंकि मुझे ही घरवालों का। बस मुझे मेरी रूह सुकून नहीं देती है मेरे ख्वाहिश है मेरी बहन की शादी अच्छे से हो और मेरे अम्मी

ने अपने दोस्त और रिश्तेदारों के मोबाइल पर सुसाइड नोट व्हाट्सएप करने के मिलने पर परिजन और ठाकुरद्वारा पुलिस बरेली के लिए रवाना हो गई है। 16 तलाश में जुटे थे। मुरादाबाद के ठाकुरद्वारा के मोहल्ला वार्ड 24 निवासी मो. इकलौता बेटा रियाज (20) बीए में पढ़ता था और नगर के कोचिंग सेंटर पर अपने दोस्तों के व्हाट्सएप ग्रुप पर सुसाइड नोट डाला। जिसमें उसने कहा कि परिजनों की सूचना पर पुलिस ने छात्र को तलाश करने की कोशिश की। पुलिस कई जगह तलाश की। उसकी के मोबाइल की अंतिम लोकेशन 16 फरवरी की उसका मोबाइल बंद हो गया और उसका पता नहीं चल सका। परिजन और जीआरपी बरेली से कोतवाली में एक सूचना आई। जिसमें छात्र रियाज के निरीक्षक मनोज परमार ने बताया कि रियाज ने ट्रेन से कटकर आत्महत्या कर नहीं था। मानसिक रूप से परेशान था। कुछ दिन पहले परिजनों ने उसका इलाज पापा का। जिन्होंने मुझे इतना प्यार इज्जत सम्मान देखभाल की। मैं रियाज अपने अपने शरीर से नफरत हो गई है मेरे ऊपर न ना तो समाज का दबाव है और न अम्मी पापा बहन को कोई कुछ मत कहना और उनका ख्याल रखना। मेरी पापा हमेशा खुश रहे तुम दुआ करना मेरे लिए बस अल्लाह से मैं जा रहा हूं। अपने अल्लाह के पास मेरे चाचा शोएब, आसिफ, जावेद, अनवर, अकबर, अकबर भाई, फैसल, मुकीम, अकिब, वसीम, मोइन, आरिश, मोनीश, आमिर, शाफेज और मेरे सभी अजीज मेरे घर वालों का ध्यान रखना। अल्लाह हाफिज दोस्तों

फिल्म 'यादव जी की लव स्टोरी' की तीखा विरोध

27 फरवरी को रिलीज होने जा रही फिल्म यादव जी की लव स्टोरी का विरोध तेज हो गया है। बुधवार को समाजवादी पार्टी कार्यकर्ताओं व यादव समाज के लोगों ने फिल्म पर पाबंदी की मांग को लेकर कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन कर ज्ञापन सौंपा। और हीरो-हीरोइन सहित चार लोगों के खिलाफ भकरौली निवासी अरविंद कुमार की तहरीर भड़ाना, अभिनेत्री प्रगति तिवारी और अभिनेता में कहा गया कि फिल्म की कहानी से यादव सौहार्द बिगड़ने की आशंका है। आरोप है कि के युवक की प्रेम कहानी को आपत्तिजनक ढंग रिलीज हुई तो सिनेमाघरों में प्रदर्शन का विरोध है कि वे फिल्म का प्रदर्शन न करें। धनारी थाना

धनारी थाना पुलिस ने फिल्म के निर्माता, निर्देशक मुकदमा दर्ज कर लिया है।धनारी थाना में गांव पर फिल्म निर्माता संदीप तोमर, निर्देशक अंकित विशाल मोहन के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज की गई। तहरीर समाज की छवि धूमिल होती है और सांप्रदायिक फिल्म में यादव समाज की लड़की और दूसरे समुदाय से प्रस्तुत किया गया।चेतावनी दी है कि यदि फिल्म किया जाएगा। सिनेमा घर संचालकों से अपील की प्रभारी संजय कुमार ने बताया कि अरविंद कुमार की शिकायत पर उच्चाधिकारियों के निर्देशानुसार मुकदमा दर्ज किया गया है। मामले की जांच की जा रही है और तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

सिनेमाघरों में नहीं चलने दी जाएगी यादव जी की लव स्टोरी

संभल = 27 फरवरी को रिलीज होने जा रही फिल्म यादव-जी की लव स्टोरी को लेकर बुधवार को कलेक्ट्रेट पर सपा युवजन सभा कार्यकर्ताओं ने विरोध-प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी है कि फिल्म को किसी भी सिनेमा घर में चलने नहीं दिया जाएगा। साथ ही जिलाधिकारी के नाम ज्ञापन देकर फिल्म पर रोक लगाने और संबंधित लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की गई। बुधवार को समाजवादी पार्टी युवजन सभा के कार्यकर्ताओं ने डिप्टी कलेक्टर नीतू रानी को ज्ञापन सौंपा। कहा कि फिल्म के फिल्म में यादव जाति का कोई वास्तविक पात्र नहीं है और केवल यादव समाज की छवि खराब करने की नीयत से फिल्म को यह नाम दिया गया है। सपा के जिला महासचिव कृष्णमुरारी शंखधार ने कहा कि जिस प्रकार फिल्म में कथानक प्रस्तुत किया गया है, उससे सामाजिक ताने-बाने को ठेस पहुंची है । सपा युवजन सभा के प्रदेश उपाध्यक्ष सुनील यादव ने कहा कि फिल्म में यादव समाज की बेटी और मुस्लिम युवक की कहानी दिखाई गई है। उनका कहना है कि कहानी से उन्हें आपत्ति नहीं है, लेकिन इसे लव जिहाद के रूप में प्रस्तुत किए जाने की बात कही जा रही है, जो एक संवेदनशील और विवादित विषय है। ज्ञापन देने वालों में उमेश चंद्र दिवाकर, अरविंद यादव, राहुल यादव, अनूप कुमार, मनीष यादव, ताहिर उल्ला खान, लव कुमार, रवि कुमार, शिवम यादव, पप्पू यादव, मोहित, यादवेंद्र यादव, वीरेश यादव और सूरजपाल यादव सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

दुल्हनों को भा रहे सूरत के डिजाइनर ब्राइडल लहंगे

मुरादाबाद। शादी-विवाह के सीजन में शहर के बाजार दुल्हनों के लिए शादी के कपड़े और अन्य सामग्री की खरीदारी से गुलजार हैं। बुधबाजार, टाउन हॉल, चौमुखापुल और ताड़ीखाना समेत अन्य प्रमुख बाजारों में देर रात तक रौनक है। इस बार सूरत के डिजाइनर और जरी-जरदोजी से सजे लहंगे युवतियों को खूब भा रहे हर वर्ग की दुल्हनों को आकर्षित कर रहे हैं। हैंडवर्क और लुक देने वाले लहंगे ट्रेंड में हैं। पारंपरिक लाल और मैरून पसंद किए जा रहे हैं। खासकर खाटली वर्क, सीक्विन, डिजाइन भी चलन में- बुधबाजार के कपड़ा व्यापारी अरविंद दुल्हनें ऐसे लहंगे पसंद कर रही हैं जो शादी के साथ डिजाइन ज्यादा चल रहे हैं। साड़ी और गाउन की भी खूब खरीदारी में पीछे नहीं हैं। बाजार में बनारसी, कांजीवरम, है। कई दुकानों पर रेडीमेड के साथ कस्टमाइज्ड लहंगे आर्डर- ताड़ीखाना बाजार में व्यापारी रोहित बंसल ने गाउन खरीद रही हैं। इस बार पेस्टल और हल्के रंगों की

ब्राइडल लहंगे दुल्हनों की पहली पसंद बने हुए हैं। हैंडवर्क, खाटली वर्क हैं। चार हजार रुपये से लेकर 30 हजार रुपये तक की रेंज में उपलब्ध लहंगे खाटली वर्क की बढ़ी डिमांड- इस बार बाजार में हल्के वजन के साथ हैवी के साथ पेस्टल शेड्स, रॉयल ब्लू, वाइन और फ्यूशिया पिंक रंग भी खूब मिरर वर्क और जरी कढ़ाई वाले लहंगों की मांग अधिक है।एम्ब्रॉयडरी वाला गुप्ता बताते हैं इस बार सूरत के डिजाइनर लहंगों की अच्छी बिक्री हो रही है। रिसेप्शन में भी पहने जा सकें। खाटली वर्क और हैंड एम्ब्रॉयडरी वाले वैरायटी- दुल्हनों के साथ उनकी सहेलियां और परिवार की महिलाएं भी ऑर्गेंजा, सिल्क, नेट और सीक्विन वर्क साड़ियों की भरपूर वैरायटी उपलब्ध और गाउन भी तैयार किए जा रहे हैं। कस्टमाइज्ड डिजाइन के मिल रहे बताया कि दुल्हनों के साथ उनकी बहनें और रिश्तेदार भी मैचिंग साड़ी और मांग ज्यादा है। कस्टमाइज्ड डिजाइन के लिए भी अच्छे ऑर्डर मिल रहे हैं। चार हजार से 30 हजार तक की रेंज- सहालग के चलते दुकानों पर विशेष ऑफर और पैकेज भी दिए जा रहे हैं। लहंगों की शुरुआती कीमत करीब चार हजार रुपये है, जबकि हैवी डिजाइनर ब्राइडल लहंगे 25 से 30 हजार रुपये तक उपलब्ध हैं। दुकानदारों के अनुसार पिछले साल की तुलना में इस बार बिक्री में अच्छा इजाफा हुआ है। शादी की तैयारियों में जुटी दुल्हनें फैशन और परंपरा का संतुलन बनाए रखते हुए खरीदारी कर रही हैं।

दो पैन कार्ड मामले में 23 को होगी सुनवाई

रामपुर। दो पैन कार्ड मामले में सजा काट रहे सपा नेता आजम खां और उनके बेटे अब्दुल्ला आजम की अपील पर अधिवक्ताओं के न्यायिक कार्य से विरत रहने की वजह से सुनवाई नहीं हो सकी। अब इस मामले की सुनवाई 23 फरवरी को होगी।

सपा नेता अब्दुल्ला आजम के दो पैन कार्ड मामले में मजिस्ट्रेट कोर्ट ने पिछले दिनों सपा नेता आजम खां और उनके बेटे अब्दुल्ला आजम को सात साल की कैद व 50 हजार रुपये जुर्माने की सजा सुनाई थी।

इस मामले में बचाव पक्ष की ओर से सजा के खिलाफ और अभियोजन की ओर से सजा बढ़ाए जाने को लेकर एमपी-एमएलए सेशन कोर्ट में अपील दायर की गई है। बुधवार को इस मामले में सुनवाई होनी थी

लेकिन वकीलों के न्यायिक कार्य से विरत रहने की वजह से सुनवाई नहीं हो सकी। एडीजीसी सीमा राणा के अनुसार पैन कार्ड मामले में अब 23 फरवरी को सुनवाई होगी।

खेलते समय करंट की चपेट में आकर बच्चा झुलसा

रामपुर। गंज कोतवाली क्षेत्र में घर की छत पर खेल रहा बालक हाईटेंशन लाइन की चपेट में आ गया। करंट का तेज झटका लगने से बालक झुलस गया। शोर-शराबा सुनकर मौके पर पहुंचे परिजनों ने नजारा देखा तो होश उड़ गए। बालक को उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।मामला गंज कोतवाली के ग्राम काशीपुर आंगा का है। गांव निवासी मोहम्मद अहमद निजी काम करते हैं। बुधवार को उनका 13 साल का बेटा सानिब छत पर खेल रहा था। छत के ऊपर से हाईटेंशन लाइन गुजर रही थी।बताते हैं कि खेलते समय अचानक वह करंट की चपेट में आ गया, जिससे वह झुलस गया। सानिब की चीख-पुकार सुनकर परिजन छत पर पहुंचे तो वह कराह रहा था। चेहरा और हाथ-पैर झुलसे हुए थे। आनन-फानन में परिजनों ने उसे उपचार के लिए भर्ती कराया है।

चीनी मांझे से लहूलुहान हुआ बाइक सवार

रामपुर। शासन-प्रशासन की तमाम सख्ती के बाद भी जिले में चीनी मांझे की बिक्री पर रोक नहीं लग पा रही है। बुधवार को फिर चीनी मांझे की चपेट में आने से बाइक सवार युवक घायल हो गया। मांझे से युवक की गर्दन कट गई। परिजनों ने आननफानन युवक को जिला अस्पताल में भर्ती कराया है।पटवाई थाना क्षेत्र के ग्राम दलपुरा निवासी मोहम्मद रसीद मेहनत-मजदूरी करके अपने परिवार का पालन पोषण करता है। बुधवार को वह किसी काम से रामपुर आया था। काम निपटाने के बाद वह वापस बाइक से अपने गांव जा रहा था।बताते हैं कि गांव के बाहर चीनी मांझा उसकी गर्दन में फंस गया, जिससे गर्दन कट गई। उसकी बाइक भी अनियंत्रित होकर गिर गई। मौजूद ग्रामीणों ने कपड़ा आदि बांधकर खून बंद किया और परिजनों को सूचना दी। परिजनों ने उसे उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया है। नहीं लग सकी चीनी मांझे की बिक्री पर रोक चीनी मांझा लोगों की जान के साथ खिलवाड़ कर रहा है। आए दिन मांझे की चपेट में आकर कोई न कोई घायल हो रहा है। कई बार यह मांझा लोगों की जान भी ले चुका है। मकर संक्रांति के मौके पर होने वाली पतंगबाजी के कारण डीएम ने चीनी मांझे की बिक्री पर शिकंजा कसने के आदेश दिए थे। सख्त निर्देश थे कि बिक्री करने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाए। इसके बाद भी बिक्री पर रोक नहीं लगी है। पुलिस ने भी छापेमारी कर औपचारिकता पूरी की। मांझे ने बुधवार को फिर एक युवक की गर्दन काट दी।

संक्षिप्त समाचार

रेलवे ने किया दो जोड़ी होली स्पेशल ट्रेनें चलाने का ऐलान

मुरादाबाद । रेलवे ने होली में यात्रियों की सहूलियत के लिए बुधवार को एक जोड़ी और होली स्पेशल ट्रेन संचालित करने की घोषणा की। ट्रेन संख्या 04829 जेयू-गोरखपुर

स्पेशल पांच मार्च, 12, 19, 26 मार्च को कुल चार फेरा चलेगी। वहीं वापसी में गोरखपुर से गाड़ी संख्या 04830 छह मार्च, 13 मार्च, 20 और 27 मार्च को कुल चार फेरा संचालित होंगी। गाड़ी संख्या 04829 सुबह 8=15 बजे मुरादाबाद आएगी और पांच मिनट का स्टॉपेज रहेगा। 8=25 पर रवाना होगी। यह ट्रेन बरेली, लखनऊ, बस्ती, खलीलाबाद होते हुए गोरखपुर पहुंचेगी। इसके अलावा गाड़ी संख्या 04731 और 04732 राजस्थान के श्री गंगानगर जंक्शन (एसजीएनआर) रेलवे स्टेशन से साप्ताहिक चलाया जाएगा। गाड़ी संख्या 04731 रविवार एक मार्च से 29 मार्च तक कुल पांच ट्रिप चलेगी। इसके अलावा 04732 मंगलवार तीन मार्च से 31 मार्च तक कुल पांच फेरा संचालित की जाएगी।

रोडवेज बस ने हाईवे पर पुलिस जीप में मारी टक्कर, 50 मीटर तक घसीटा

पीतलनगरी डिपो की रोडवेज बस चालक द्वारा ओवरटेक किए जाने के दौरान पुलिस की सरकारी गाड़ी जीप में टक्कर मारकर करीब पचास मीटर घसीटते हुए ले गया। बाद में पुलिस की सरकारी जीप खंती में जाकर पलट गई। जिसके

चलते चालक गंभीर रूप से घायल हो गया, जिन्हें उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। उधर, पुलिस ने मामले में रिपोर्ट दर्ज करके दुर्घटनाग्रस्त बस को कब्जे में ले लिया। बुधवार की करीब नौ बजे प्रभारी निरीक्षक जीत सिंह, चालक जितेंद्र कुमार और हमराह दीपांशु चौधरी के साथ रुद्र-बिलास क्षेत्र में ग्रस्त करके सरकारी जीप से वापस कोतवाली लौट रहे थे। इस दौरान पीतलनगरी डिपो की रोडवेज बस चालक अवनीश कुमार ने सरकारी जीप में पीछे से टक्कर मारकर उसे पचास मीटर तक घसीटते हुए ले गया। बाद में सरकारी जीप अनियंत्रित होकर चीनी मिल के पास हाईवे किनारे खंती में पलट कर दुर्घटनाग्रस्त हो गई। सूचना पर ईसानगर चौकी प्रभारी ललित कुमार और रुद्र-बिलास चौकी प्रभारी चंद्रवीर सिंह मौके पर पहुंच गए। साथ ही मौके पर आस-पास के लोगों समेत राहगीरों की भारी भीड़ एकत्र हो गई। बाद में लोगों ने प्रभारी निरीक्षक तथा पुलिस कर्मियों को जैसे-तैसे गाड़ी से बाहर निकाला गया। जिसके चलते चालक जितेंद्र कुमार गंभीर रूप से घायल हो गए और उन्हें उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। जबकि प्रभारी निरीक्षक तथा उनके हमराह सकुशल हैं। इस पर प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि चालक जितेंद्र कुमार की ओर से रोडवेज बस के चालक के विरुद्ध संबंधित धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। साथ ही दुर्घटनाग्रस्त बस को कब्जे में ले लिया है। कहा कि मामले की विवेचना की जा रही है, जिसके आधार पर आगे की कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
knlslive@gmail.com

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

ज्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

वृहद ऋण वितरण शिविर का होगा आयोजन

जिला उद्योग केंद्र परिसर में बैंको से ऋण प्राप्त कर अपना व्यवसाय स्थापित करने वालों के लगाए जाएंगे स्टॉल

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली ।महाप्रबन्धक एवं संयोजक, राज्य स्तरीय बैंकर समिति, उत्तर प्रदेश द्वारा प्रदेश के समस्त जनपदो में आज 20 फ़रवरी को एक वृहद ऋण वितरण शिविर का आयोजन किये जाने के निर्देश दिये गए है। उक्त शिविर में कृषि एवं एमएसएमई से सम्बन्धित केन्द्र एवं राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं विशेष कर मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान योजना के अन्तर्गत ऋण वितरण तथा उक्त योजनाओं के लाभार्थियों के द्वारा निर्मित उत्पादों के स्टॉल लगाये जाने के निर्देश हैं जिलाधिकारी अविनाश सिंह की अध्यक्षता में उपायुक्त उद्योग एलडीएम व बैंकर्स के साथ बैठक की गयी जिसमे सभी के साथ समन्वय स्थापित कर अधिक से अधिक पात्रों को ऋण वितरण कराएं जाने के निर्देश दिये गए। बैठक में उपायुक्त उद्योग विकास यादव ने बताया कि कल शासन के निर्देशानुसार जिला उद्योग केंद्र परिसर में बैंको से ऋण प्राप्त कर अपना व्यवसाय स्थापित करने वाले पांच लोगों के स्टॉल लगाए जायेंगे। बैठक में जिलाधिकारी ने कहा कि मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना मा0 मुख्यमंत्री जी की शीर्ष प्राथमिकताओं में से एक है जिसको गम्भीरता से लेते हुए लक्ष्यों के सापेक्ष शत-प्रतिशत प्रगति सुनिश्चित किया जाना अत्यन्त आवश्यक है। उन्होंने समस्त बैंक प्रतिनिधियों को निर्देश दिये कि कल दिनांक 20 फ़रवरी को आयोजित होने वाले वृहद ऋण वितरण शिविर में सीएम युवा योजना के अन्तर्गत निर्धारित लक्ष्यों (सूची संलग्न) के अनुसार लाभार्थियों को ऋण वितरण सुनिश्चित किया जाए। बैठक में बताया गया कि योजनान्तर्गत विकसित सीएम युवा मोबाइल ऐप का भी व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए साथ लाभार्थियों को ऐप से जोड़ने हेतु प्रेरित किया जाए। बैठक में उपायुक्त उद्योग सहित लीड बैक अधिकारी व बैंकर्स उपस्थित रहे।

कलाकारों ने पढ़ाया महिला सम्मान का पाठ

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। निदेशालय सूचना एवं जनसंपर्क विभाग उत्तर प्रदेश लखनऊ के आदेशक्रम में जिला सूचना अधिकारी बरेली के द्वारा चयनित विकासखंड मझगवां के ग्राम पंचायत, बेहटा बुजुर्ग,मझगवां,निसोई, राधे नगर, मिलक बहादुर गंज, दसीपुर में सूचना एवं जनसंपर्क विभाग द्वारा पंजीकृत वीर विजय नृत्य नाट्य संस्था बरेली के निर्देशक रवि प्रकाश सक्सेना के निर्देशन में पंजीकृत कलाकार गुड्डू सागर, प्रदीप कुमार, आकाश सक्सेना, महेशानंद,आशा दिवाकर, राखी यादव,दीपक चौधरी,विश्राम सिंह, अतुल मौर्य, रमेश अटल ने बाल विवाह मुक्त भारत अभियान,दहेज प्रथा अपराध, मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, टॉल फ्री 181,1090,1098,112,जैसे मुख्य पहलुओं पर नाटक मंचित कर मातृशक्ति के सम्मान में सरकार द्वारा स्वचालित योजनाओं के प्रति उपस्थित जनमानस को जागरूक किया। कार्यक्रम के सफल समापन के उपरांत संस्था निर्देशिक रवि प्रकाश सक्सेना ने मझगवां विकास खण्ड अधिकारी, सहायक विकास अधिकारी पंचायत एवं समस्त ग्राम प्रधानगण का आभार प्रकट किया।

बरेली हुए दंगों में इस्तेमाल अवैध असलहों की सप्लाई का पुलिस ने किया खुलासा

पुलिस टीम ने 2 को किया गिरफ्तार, 7 तमंचे जिंदा कारतूस सहित हुए बरामद

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। थाना बहेड़ी पुलिस ने जनपद बरेली समेत सीमावर्ती जिलों और उत्तराखण्ड तक अवैध हथियारों की सप्लाई करने वाले अंतर्राज्यीय गिरोह का बड़ा खुलासा किया है। पुलिस टीम ने चेकिंग के दौरान गिरोह के दो सदस्यों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से भारी मात्रा में अवैध असलहे बरामद किए हैं। गिरफ्तार अभियुक्तों के पास से 05 अवैध पिस्टल (32 बोर), 36 जिंदा कारतूस, 02 तमंचे (315 बोर व 12 बोर) तथा अन्य सामान बरामद किया गया। यह कार्रवाई थाना बहेड़ी में पंजीकृत मुकदमा संख्या 0122/26 के तहत आर्म्स एक्ट एवं बीएनएस की गंभीर धाराओं में की गई है। शेरगढ़ अड्डे से गिरफ्तारी, हिस्ट्रीशीटर इशरत अली का नेटवर्क बेनकाब थाना बहेड़ी पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर शेरगढ़ अड्डे से अभियुक्तों को गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार पकड़े गए दोनों आरोपी थाना बहेड़ी के कुख्यात हिस्ट्रीशीटर इशरत अली के करीबी सहयोगी हैं। पुलिस जांच में सामने आया कि बरामद स्विफ्ट कार भी अभियुक्त इशरत अली की है, जिसने इन हथियारों को उत्तराखण्ड के उधमसिंहनगर जिले में सप्लाई कराने के लिए भेजा था। मोबाइल डेटा से बड़ा सबूत, टेस्ट फायरिंग के वीडियो मिले पुलिस ने बताया कि पूछताछ और मोबाइल फोन की जांच में अभियुक्त सोमू खान के फोन से कई वीडियो और फोटो बरामद हुए हैं, जिनमें गिरोह का सरगना इशरत अली अवैध पिस्टलों से टेस्ट फायरिंग करता दिखाई दे रहा है। बरेली दंगों की साजिश में सप्लाई का आरोप, मौलाना तौकीर रज़ा का नाम भी आया सामने इस पूरे मामले में पुलिस ने बड़ा दावा करते हुए कहा कि दिनांक 26.09.2025 को हुए बरेली दंगों में इस्तेमाल किए गए अवैध हथियारों की सप्लाई इसी नेटवर्क के जरिए हुई थी। पुलिस के मुताबिक अभियुक्त सोमू खान ने स्वीकार किया है कि उसने फरहत अली और इशरत अली के कहने पर भारी मात्रा में पिस्टल और तमंचे झुमका तिराहा क्षेत्र में गिरोह के आदमी को सौंपे थे। सबसे अहम बात यह है कि पुलिस ने बयान में यह भी उल्लेख किया है कि दंगों के दौरान मौलाना तौकीर रज़ा फरहत अली के घर (5 एन्क्लेव, बरेली) में बैठकर पूरे घटनाक्रम को अंजाम देने में शामिल था। गिरफ्तार अभियुक्तों के नाम तसलीम पुत्र जमील अहमद, निवासी जोखनपुर, थाना बहेड़ी (उम्र 29 वर्ष) सोमू खान उर्फ औशाफ, निवासी ग्राम बरीपुरा, थाना शेरगढ़ (उम्र 36 वर्ष) वांछित अभियुक्त इशरत अली (हिस्ट्रीशीटर, थाना बहेड़ी) फरहत अली गफ्फार (उत्तराखण्ड निवासी) समीर बरामदगी विवरण 05 अवैध पिस्टल 3 2 बोर 36 जिंदा कारतूस02 तमंचे (315 बोर व 12 बोर) 02 कारतूस स्विफ्ट कार क्र25 क्क्क0824 दो मोबाइल फोन पुलिस टीम उपनिरीक्षक धर्मेन्द्र सिंह उपनिरीक्षक राजू कुमार हेड कांस्टेबल कुलदीप कांस्टेबल अंकित सिंह पुलिस का बयान पुलिस ने बताया कि अभियुक्तों से दंगों में संलिप्तता और अवैध हथियार सप्लाई के संबंध में गहन पूछताछ जारी है। जल्द ही अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए विशेष टीमें गठित की गई हैं।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

संक्षिप्त समाचार

गाय कई दिनों से बीमारी हालत में पड़ी ग्रामीणों ने की देखभाल

क्यूँ न लिखूँ सच /शेर सिंह/ बरेली के बिथरी चैनपुर स्थित होली चौक पर एक गर्भवती गाय कई दिनों से बीमारी हालत में पड़ी थी वह अपने पैरों पर ठीक से खड़ी नहीं हो पा रही थी जिससे स्थानीय लोग चिंतित थे ग्रामीणों ने उसकी देखभाल की लेकिन उसकी हालत में सुधार नहीं हुआ गौ सेवक रवि कश्यप ने इस संबंध में अंतरराष्ट्रीय हिंदू सेना के जिलाध्यक्ष अजय पटेल को सूचना दी अजय पटेल ने तुरंत बिथरी चैनपुर ब्लॉक के बीडीओ कौशल कुमार गुप्ता से फोन पर संपर्क कर उन्हें पूरी स्थिति से अवगत कराया बीडीओ कौशल कुमार गुप्ता ने त्वरित कार्यवाही का आश्वासन दिया उन्होंने निर्देश पर गाय को सुरक्षित रूप से सिमरा गांव स्थित गौशाला पहुंचाया गया गौशाला में अब उसकी उचित देखरेख और उपचार किया जा रहा है!

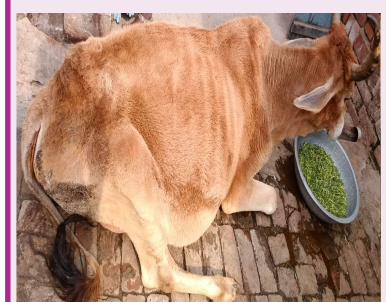

देवरनियां में आठ साल के तैमूर ने रोजा रखकर की इबादत।

क्यूँ न लिखूँ सच / देवरनियां । रहमतों-बरकतों का पाक महीना माहे रमजान का आगाज (कल) से आज गुरुवार हो गया है। इसमें बढों के साथ बच्चे भी हिस्सा ले रहे हैं। देवरनियां कस्बे में एक आठ साल के बच्चे ने पहला रोजा रखकर अल्लाह की इबादत की। कस्बा देवरनियां के वार्ड नंबर 9 अलीनगर में रहने वाले पत्रकार अब्दुल राऊफ लाला का आठ साल का पुत्र तैमूर हुसैन ने अपने मां-बाप के साथ माहे रमजान का पहला रोजा रखा और अल्लाह की इबादत की। हालांकि इस्लाम धर्म के मुताबिक नबालिग बच्चे पर रोजे फर्ज नहीं हैं, लेकिन बुधवार रात माहे रमजान का आगाज होने पर तैमूर भी रोजा रखने की तैयारी में जुट गया। इसमें उसके मां-बाप और भाई-बहनों ने भी उसका हौसला बढाया। इफ्तार पर उसने परिवार के साथ रोजा खोला। और उसे मुबारकबाद दी गईं।

अपर जिलाधिकारी (वि/रा) ने तहसील फरीदपुर का किया निरीक्षण

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली ।अपर जिलाधिकारी (वि/रा) संतोष कुमार सिंह ने गुरुवार को तहसील फरीदपुर का निरीक्षण किया। अपर जिलाधिकारी द्वारा उपजिलाधिकारी, तहसीलदार, नायब तहसीलदार के न्यायालय, भूलेख और अभिलेखागार के साथ विभिन्न पटल का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान फॉर्मर रजिस्ट्री तथा आय जाती निवास की पेंडेंसी समाप्त किये जाने के निर्देश दिये गए, इसके साथ ही रजिस्टर नंबर चार को अपडेट रखने लेखपाल, अमीन की सर्विस बुक अपडेट किये जाने के भी निर्देश दिए गए। अपर अपर जिलाधिकारी ने निर्देश दिये कि जनता दर्शन के समय सभी अधिकारी समय से ऑफिस में बैठे और जनसमस्याओ का निस्तारण करें।

जनप्रतिनिधियों की काल अटेंड किये जाने और प्रॉपर रिस्पॉन्स दिये जाने के निर्देश दिये गए। निरीक्षण के दौरान उप जिलाधिकारी फरीदपुर मल्लिका नैन, तहसीलदार, नायब तहसीलदार सहित अन्य अधिकारी/कर्मचारी आदि उपस्थित रहे।

बरेली-दिल्ली उड़ान के लिए इसी महीने स्लॉट मिलने की उम्मीद

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। जेवर इंटरनेशनल एयरपोर्ट के शुरू होने के बाद बरेली-दिल्ली के लिए उड़ान शुरू होने की उम्मीद बढ़ गयी है। इस महीने जेवर एयरपोर्ट का उद्घाटन प्रस्तावित है। बरेली एयरपोर्ट अथॉरिटी के अधिकारियों के अनुसार जेवर एयरपोर्ट के शुरू होने के बाद नई दिल्ली इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर उड़ानों का लोड कम हो जाएगा, इसके बाद दिल्ली एयरपोर्ट से बरेली के लिए स्लॉट मिल जाएगा।

तीसरे दिन भी 'सुपीरियर' पर इनकम टैक्स की कड़ी कार्रवाई

आयकर टीम का लगातार तीसरे दिन भी शिकंजा फैक्टरी सील जैसा माहौल करोड़ों की गड़बड़ी की जांच

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। बरेली के सीबीगंज क्षेत्र स्थित रामपुर रोड पर संचालित सुपीरियर शराब फैक्टरी में आयकर विभाग की कार्रवाई लगातार तीसरे दिन भी जारी रही। गुरुवार को भी फैक्टरी परिसर में कड़ी निगरानी के बीच आवाजाही पर सख्त नियंत्रण बनाए रखे हैं सूत्रों के के चलते प्रबंधन से वर्ष 2003 तक के टैक्स रिटर्न, कहा गया है। बताया जा रहा है कि कई वर्षों से रही है। फैक्टरी के वरिष्ठ अधिकारियों और प्रमुख ही परिसर से बाहर बताए जा रहे हैं, हालांकि छापे 6-15 बजे हुई, जब आयकर विभाग की टीम पांच ने पहुंचते ही मुख्य गेट को अंदर से बंद कर परिसर के मोबाइल जब्त किए गए। इसके बाद लैपटॉप, की गई। जांच के दौरान बिना अनुमति किसी को मोबाइल भी अस्थायी रूप से ले लिए गए और जांच पड़ताल का सिलसिला चलता रहा। अधिकारियों ने अंदर-बाहर की अनुसार जांच टीम को आयकर में बड़े स्तर पर गड़बड़ी की आशंका है। इसी बिल-वाउचर, लेखा रजिस्टर और अन्य वित्तीय दस्तावेज पेश करने को दाखिल किए गए रिटर्न में संभावित अनियमितताओं की पड़ताल की जा कर्मचारियों के मोबाइल फोन जब्त कर लिए गए हैं। केवल एचआर मैनेजर के समय वे भी मौजूद थे। कार्रवाई की शुरुआत मंगलवार की शाम करीब वाहनों से फैक्टरी पहुंची। एक वाहन में पीएसी के जवान भी तैनात थे। टीम को अपने नियंत्रण में ले लिया। प्रारंभिक चरण में कर्मचारियों और अधिकारियों कंप्यूटर, लेखा रजिस्टर और अन्य दस्तावेज कब्जे में लेकर गहन जांच शुरू भी बाहर जाने की इजाजत नहीं दी गई। गोदामों में काम कर रहे मजदूरों के शिफ्ट खत्म होने पर एक-एक कर्मचारी की तलाशी के बाद ही बाहर भेजा गया। बताया जा रहा है कि कार्रवाई की सूचना स्थानीय पुलिस को पहले से नहीं दी गई थी। पीएसी जवान पूरे समय सुरक्षा में तैनात रहे। बुधवार सुबह कार्रवाई की खबर फैली तो औद्योगिक क्षेत्र में हलचल मच गई। कारोबारियों के बीच संभावित टैक्स गड़बड़ी को लेकर तरह-तरह की चर्चाएं शुरू हो गईं। कुछ लोग भारी भरकम टैक्स चोरी की आशंका जता रहे हैं, हालांकि आयकर विभाग ने आधिकारिक तौर पर कोई बयान जारी नहीं किया है। सूत्रों के मुताबिक आयकर टीम दाखिल रिटर्न और वास्तविक उत्पादन व बिक्री के आंकड़ों के बीच अंतर की जांच कर रही है। यदि अनियमितताएं साबित होती हैं तो आने वाले दिनों में बड़ी कार्रवाई संभव है विभागीय जांच अभी भी जारी है।

नगर निगम ने अवैध होर्डिंग पर की कड़ी कार्रवाई, 1.28 करोड़ की वसूली की तैयारी

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। बरेली नगर निगम ने शहर में अवैध होर्डिंग और विज्ञापनों के खिलाफ बड़ा अभियान शुरू किया है। सर्वे के दौरान 64 भवनों की छतों पर कुल 129 होर्डिंग अवैध रूप से लगाए जाने की पुष्टि हुई है। इस मामले में नगर निगम ने 10 विज्ञापन एजेंसियों को चिन्हित किया है, जिनसे करीब 1.28 करोड़ रुपये की वसूली की जाएगी। नगर आयुक्त संजीव मोर्य के निर्देश पर संबंधित एजेंसी संचालकों को नोटिस जारी कर दिया गया है। नोटिस में स्पष्ट किया गया है कि बिना अनुमति लगाए गए होर्डिंग न केवल नगर निगम को राजस्व का नुकसान पहुंचा रहे हैं, बल्कि सुरक्षा मानकों का भी उल्लंघन कर रहे हैं। अधिकारियों के मुताबिक, कई स्थानों पर बिना स्वीकृति के बड़े आकार के विज्ञापन बोर्ड लगाए गए थे। यह स्थिति शहर की सौंदर्य व्यवस्था और यातायात सुरक्षा दोनों के लिए चिंता का विषय है। नगर निगम ने एजेंसियों को निर्धारित समय सीमा में स्पष्टीकरण देने और बकाया राशि जमा करने के निर्देश दिए हैं।

वाहन की टक्कर से स्कूटी सवार युवती की मौत, इसाइयों की पुलिया पर हुआ हादसा

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। इसाइयों की पुलिया के समीप स्कूटी सवार युवती को किसी भारी वाहन ने कुचल दिया, जिससे युवती की मौत हो गई। हादसे के बाद चालक वाहन लेकर भाग निकला। हादसा बृहस्पतिवार सुबह करीब सात बजे हुआ। पुलिस सीसीटीवी फुटेज चेक करके वाहन का पता लगाने में जुटी है। सेटेलाइट चौराहा चौकी प्रभारी विनय बहादुर ने बताया कि कैंट थाना क्षेत्र के नकटिया निवासी राजवीर सिंह की बेटी 32 वर्षीय मीना के साथ ये हादसा हुआ। मीना नकटिया से फ्लाईओवर पर होकर शहर की ओर स्कूटी से आ रही थी। शहर की ओर से कोई भारी वाहन तेजी से पुल पर जा रहा था। वाहन ने स्कूटी को टक्कर मार दी। हादसे में मीना गंभीर रूप से घायल हो गईं। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल मीना को जिला अस्पताल भिजवाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतका के पिता राजवीर ने बताया कि मीना का पति से तलाक हो चुका था। वह एक निजी अस्पताल में काम कर रही थी। कमरा लेकर अकेली ही रहती थी।

पीलीभीत: सपा का कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन, मखदूम खां की गिरफ्तारी को बताया 'सत्ता प्रायोजित दमन'

क्यूँ न लिखूँ सच / अरविंद कुमार / पीलीभीत / पीलीभीत। समाजवादी पार्टी के जिला उपाध्यक्ष

मखदूम खां की गिरफ्तारी के विरोध में गुरुवार को पार्टी कार्यकर्ताओं ने जोरदार प्रदर्शन किया। सपा नेताओं ने इसे 'सत्ता के इशारे पर की गई कार्रवाई' बताते हुए प्रशासन के खिलाफ आर-पार की लड़ाई का ऐलान किया। दोपहर में पार्टी के जिला कार्यालय पर बड़ी संख्या में कार्यकर्ता जुटे। जिलाध्यक्ष जगदेव सिंह 'जग्गा' के नेतृत्व में सपा कार्यकर्ताओं ने कलेक्ट्रेट तक पैदल मार्च निकाला। इस दौरान सरकार और जिला प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की गई। कलेक्ट्रेट पहुंचकर प्रतिनिधिमंडल ने अपर जिलाधिकारी (ष्ठरू) को महामहिम राज्यपाल के नाम संबोधित ज्ञापन सौंपा, जिसमें मखदूम खां की गिरफ्तारी को 'नियम विरुद्ध' बताया गया। जिलाध्यक्ष ने आरोप लगाया कि जनपद के एक राज्य मंत्री के दबाव में प्रशासन और पुलिस समाजवादी नेताओं का उत्पीड़न कर रही है। उन्होंने कहा कि 18 फरवरी की रात जिस प्रकार मखदूम खां को हिरासत में लिया गया और उन पर भारतीय न्याय संहिता (क्चहृस्) 2023 की धाराएं लगाई गईं, वह दमनकारी नीति का हिस्सा है। सपा नेताओं का दावा है कि सात वर्ष से कम सजा वाले मामलों में सीधे जेल भेजना सुप्रीम कोर्ट के दिशा-निर्देशों के विपरीत है। वरिष्ठ अधिवक्ता एवं सपा नेता सुधीर तिवारी ने कहा कि पुलिस ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (क्चहृस्स्) की धारा 170 का सहारा लेकर जो प्रक्रिया अपनाई है, वह मूल एफआईआर में दर्ज नहीं थी। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि न्याय नहीं मिला तो मामला उच्च न्यायालय तक ले जाया जाएगा। उन्होंने मांग की कि गिरफ्तारी की निष्पक्ष जांच कराई जाए। प्रशासन पर भाजपा नेताओं के दबाव में काम करने का आरोप लगाया।कार्रवाई वापस न होने पर 'जेल भरो आंदोलन' की चेतावनी दी। प्रदर्शन के दौरान बड़ी संख्या में सपा पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे। पार्टी नेताओं ने स्पष्ट किया कि यदि जल्द ही निष्पक्ष जांच नहीं हुई, तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा।

रिछा के देहली पब्लिक स्कूल पर कार्रवाई ठंडे वस्ते में

◆ गडबझाला : बेसिक से मान्यता लेकर अमान्य कक्षाओं के साथ सीबीएससी में हो रहा रिछा के देहली पब्लिक स्कूल का संचालन!

◆ ग्यारह माह पूर्व दिए गए नोटिस के बाद भी नहीं किए मानक पूरे।

◆ शासन के मानक के तहत नहीं हैं अध्यापक और बालिका शौचालय।

क्यूँ न लिखूँ सच / अरविंद कुमार / पीलीभीत / बहेडी। जहां ब्लॉक के खंड शिक्षा अधिकारी मुख्यालय स्थित है, वहां का एक विघालय मानक पूरे किए बिना संचालित हो रहा है। ग्यारह माह पूर्व शासन के मानक पूरे न किए जाने पर नोटिस जारी होने के बावजूद भी अभी तक मानक पूरे नहीं किए गए हैं। ब्लॉक रिछा (दमखोदा) के खंड शिक्षा अधिकारी का कार्यालय रिछा कस्बे में स्थित है। कक्षा आठ तक के सभी सरकारी और निजी स्कूल-कालेजों की बागडोर खंड शिक्षा अधिकारी (बीईओ) के अधीन है। कस्बे में स्थित देहली पब्लिक स्कूल समेत कई अन्य निजी स्कूलों को शासन के? मानक के हिसाब से अध्यापक पूरे न किए जाने और बालिकाओं की संख्या के हिसाब से बालिका शौचालय न हो?ने पर नोटिस जारी किया गया था। बताया गया है, कि देहली पब्लिक स्कूल की मान्यता बेसिक से हिन्दी मीडिया से है,और इसका संचालन इंगलिश मीडिया सीबीएससी से हो रहा है, साथ की बेसिक से जो मान्यता इस विघालय की है वह कक्षा आठ तक है,मगर हाईस्कूल तक कक्षाएं लगाई जा रही हैं। यहां न तो मानक के हिसाब से टीचर हैं, और न ही बालिका शौचालय हैं। ... नोटिस के बाद कार्रवाई पडी ठंडे वस्ते मे। ग्यारह माह पूर्व मानक को लेकर देहली पब्लिक जूनियर हाईस्कूल को बीईओ द्वारा नोटिस दिया गया था,मगर नोटिस के बाद कार्रवाई ठंडे वस्ते में पड गई है। यहां बच्चों की सुरक्षा का भी ख्याल नहीं है। इस बाबत खंड शिक्षा अधिकारी (बीईओ) जगदीश कुमार का कहना है, कि वह अभी तक एसआईआर में ज्यादा व्यस्त थे, अब थोडा फ्री हैं। जल्द ही इसे देखकर नियमानुसार कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। फोटो- -- देहली पब्लिक स्कूल। उक्त विघालय का मामला पूर्व में समाचारपत्रों में प्रकाशित हो चुका है। मै एईआरओ के रुप में एसआईआर में लगा हूं अब थोडा फ्री हूं।? जल्द ही उक्त विघालय को देखा जाएगा। और कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। --- जगदीश कुमार, बीईओ रिछा ब्लॉक

संक्षिप्त समाचार

थाना डिलारी में रमजान और होली को लेकर हुआ शांति समिति की बैठक का आयोजन

क्यूँ न लिखूँ सच / जनपद मुरादाबाद के थाना डिलारी में पवित्र रमजान और होली पर्व को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में एसडीएम प्रीति सिंह और क्षेत्राधिकारी ठाकुरद्वारा ने सभी से आपसी भाईचारा, शांति और सद्भाव बनाए रखते हुए त्योहार मनाने की अपील की। इस मौके पर थाना डिलारी पुलिस प्रशासन के अधिकारी, क्षेत्र के विभिन्न गांवों के धर्मगुरु, गणमान्य व्यक्ति और ग्राम प्रधान मौजूद रहे। बैठक के दौरान अधिकारियों ने लोगों से अफवाहों से दूर रहने, किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को देने तथा प्रशासन का सहयोग करने की बात कही। साथ ही त्योहारों के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस प्रशासन की ओर से पूरी सतर्कता बरतने का आश्वासन दिया गया।

बेटे की शादी से पहले भांजे के साथ गई मामी, थाने के चक्कर काट रहा मामा, नौ लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज

भांजा अक्सर घर आता-जाता था। मामी मायके गई थी। वहां से वापस लौटते समय उसका भांजा मिल गया। वह बहला-फुसलाकर अपनी मामी को अपने साथ ले गया। तभी से वह रिश्तेदारों से संपर्क कर महिला की तलाश में लगा रहा, लेकिन कोई पता नहीं चलाअलीगढ़ में सास-दामाद की प्रेम कहानी का मामला अभी शांत नहीं हुआ था। अब अतरौली में बेटे की शादी से पहले मामी अपने भांजे के साथ चली गई। पति महिला की तलाश में इधर-उधर भटक रहा है। थाने के भी चक्कर लगा रहा है। पुलिस ने नौ लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर महिला की तलाश शुरू कर दी है।महिला के पति ने आरोप लगाते हुए बताया कि पालीमुकीमपुर क्षेत्र के एक गांव में उसका भांजा रहता है। भांजा अक्सर घर आता-जाता था। 25 जनवरी को उसकी पत्नी मायके गई थी। वहां से वापस लौटते समय उसका भांजा विक्रम मिल गया। वह बहला-फुसलाकर अपनी मामी को अपने साथ ले गया। तभी से वह रिश्तेदारों से संपर्क कर महिला की तलाश में लगा रहा, लेकिन कोई पता नहीं चला। पति का आरोप है कि पूछने पर दूसरा पक्ष उसे उल्टा धमकाने लगे। उसने थाने में शिकायत की। 8 फरवरी को पुलिस ने नौ लोगों को नामजद करते हुए रिपोर्ट दर्ज कर ली। पति ने बताया कि 6 मार्च को उसके बेटे की शादी है। परिवार के सभी सदस्य शादी की तैयारियों में लगे हुए थे। बेटे की शादी के लिए उसकी ननिहाल वालों ने मंगलसूत्र, चेन, पायजेब, अंगूठी आदि जेवर भी खरीदे थे। महिला उन जेवरों सहित एक लाख रुपये नकद मायके से लेकर आ रही थी। आरोप है कि इन सभी सामान सहित भांजा मामी को ले गया है। इस मामले में विक्रम, केहरी, सुनीता, रूपकला, अजय, रेखा, मूलचंद, सेंकी, पप्पू को नामजद किया गया है। एसओ रवि चंद्रवाल ने बताया कि मोबाइल नंबर आदि सर्विलांस पर लगा दिए गए हैं। महिला की बरामदगी के लिए पुलिस टीमें लगातार प्रयासरत हैं। बेटी की शादी से पहले सास चली गई थी दामाद के साथ- अलीगढ़ के दादों थाने के दामाद की मडराक थाना अंतर्गत शादी तय हुई। शादी से पहले होने वाली सास अपने होने वाले दामाद के साथ चली गई। वहां से सास-दामाद वापस लौटे तो पुलिस ने सास को दामाद के सुपुर्द कर दिया। 10 माह बाद दामाद ने आरोप लगाए कि अब सास अपने बहनोई के साथ चली गई। अभी तक सास-दामाद का मामला चर्चा में है।

समुद्री डकैती-आतंकवाद, साइबर समस्या बड़ी चुनौतियां, राजनाथ बोले-कोई नौसेना अकेले सामना करने में अक्षम

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि मिलन इस साझा भावना को व्यवहार में उतारने का सशक्त माध्यम है। सभी भागीदार देशों के प्रयासों से यह क्षेत्रीय स्तर की पहल से आगे बढ़कर विश्व के प्रमुख बहुराष्ट्रीय नौसैनिक अभ्यासों में शामिल हो वाली समुद्री पहलों में से एक बन गया है।रक्षा प्रमुख द्विवार्षिक बहुपक्षीय समुद्री अभ्यास विशाखापत्तनम पहुंचे। जहां उन्होंने उद्घाटन ने कहा कि आज समुद्री डकैती, समुद्री और जरूरी आपूर्ति श्रृंखलाओं में बाधाएं वैश्विक ही जलवायु परिवर्तन के कारण प्राकृतिक राहत अभियानों की आवश्यकता अधिक बार करने में अक्षम%- रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने क्यों न हो, इन सभी चुनौतियों का अकेले अब विकल्प नहीं, बल्कि अनिवार्यता है। इस का सबसे बड़ा और सबसे समावेशी आयोजन समुदाय भारत को एक भरोसेमंद और जिम्मेदार अंतरराष्ट्रीय समुदाय से अपेक्षा करती हैं कि

चुका है। यह भारत की सबसे विश्वसनीय तथा निरंतर चलने मंत्री राजनाथ सिंह आज भारतीय नौसेना की तरफ से आयोजित मिलन 2026 के 13वें संस्करण के उद्घाटन के लिए समारोह को संबोधित किया। इस दौरान रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह आतंकवाद, अवैध मछली पकड़ना, तस्करी, साइबर कमजोरियां समुद्री सुरक्षा के लिए गंभीर चुनौती बन चुकी हैं। इसके साथ आपदाएं बढ़ रही हैं, जिससे मानवीय सहायता और आपदा और व्यापक रूप से पड़ रही है। कोई नौसेना अकेले सामना स्पष्ट कहा कि कोई भी एक नौसेना, चाहे वह कितनी भी सक्षम सामना नहीं कर सकती। इसलिए नौसेनाओं के बीच सहयोग वर्ष 74 देशों की भागीदारी के साथ %मिलन-2026% अब तक बन गया है। यह इस बात का प्रमाण है कि वैश्विक समुद्री समुद्री भागीदार के रूप में देखता है। आज की विशिष्ट जिम्मेदारियां वह परस्पर सम्मान की भावना से मिलकर चुनौतियों का समाधान करे। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने की %मिलन% की तारीफ- उन्होंने कहा कि जब कई देशों के युद्धपोत साथ-साथ समुद्र में चलते हैं, जब नाविक एक साथ प्रशिक्षण लेते हैं, और जब कमांडर सामूहिक विचार-विमर्श करते हैं, तब भौगोलिक और राजनीतिक सीमाओं से ऊपर उठकर साझा समझ विकसित होती है। %मिलन% जैसे मंच पेशेवर विशेषज्ञता को एक साथ लाते हैं, आपसी विश्वास को मजबूत करते हैं, संयुक्त रूप से काम करने की क्षमता बढ़ाते हैं, और साझा चुनौतियों के लिए समन्वित प्रतिक्रिया देने में मदद करते हैं। %भारत एक न्यायसंगत समुद्री व्यवस्था की स्थापना का आकांक्षी% उन्होंने कहा- समुद्र में संयुक्त अभ्यास, बैठकों के दौरान पेशेवर संवाद और सांस्कृतिक आदान-प्रदान के माध्यम से हम स्थायी मित्रता के बंधन को सुदृढ़ करने की प्रतिबद्धता दोहराते हैं। भारत एक न्यायसंगत समुद्री व्यवस्था की स्थापना का आकांक्षी है, जो अंतरराष्ट्रीय नियमों और कानूनों के अनुरूप समुद्री आवागमन की स्वतंत्रता पर आधारित हो। %सच्चे %विश्व-मित्र% के रूप में भारत भरोसेमंद भूमिका निभाता रहेगा% रक्षा मंत्री ने यह भी कहा कि इस कानूनी ढांचे को एक व्यापक वैश्विक नौसैनिक संरचना के माध्यम से और मजबूत किया जा सकता है। संचार मार्गों की सुरक्षा सुनिश्चित करें और समुद्र में आतंकवाद सहित आपराधिक गतिविधियों पर प्रभावी रोक लगाएं। साथ ही वैश्विक स्तर पर राष्ट्रीय सीमाओं की सुरक्षा की पारंपरिक भूमिका भी निभाएं। भारत लंबे समय से इस सहयोग की आवश्यकता को पहचानता रहा है। इसी सोच के तहत क्षेत्र में सभी के लिए सुरक्षा और विकास की परिकल्पना से आगे बढ़ते हुए अब परस्पर और समग्र उन्नति पर आधारित व्यापक दृष्टिकोण को अपनाया गया है। एक सच्चे %विश्व-मित्र% के रूप में भारत क्षेत्र में रचनात्मक और भरोसेमंद भूमिका निभाता रहेगा।

ससुर ने पुत्रवधू को ब्लैकमेल कर की संबंध बनाने की कोशिश, लात मारी तो गुस्से में आकर दी हत्या

इस्सोपुर खुरगान में पांच दिन पहले कमरे में चारपाई पर मशकुरा का शव मिला था। कमरा अंदर से बंद था। ससुर ने तरकीब लगाकर कमरा अंदर से बंद किया था। वह पुत्रवधू के प्रेमी के बारे में अपने बेटे को बताने की धमकी देकर संबंध बनाना चाहता था। कैराना क्षेत्र के गांव इस्सोपुर खुरगान में पांच दिन पहले हुई मशकुरा (24) की मौत का महिला की गला दबाकर हत्या की थी। पुलिस ने आरोपी ससुर व पति को चारपाई पर मिला था। उसके गले पर निशान मिले थे। पुलिस ने शव को जाना सामने आया।एसपी एनपी सिंह ने बृहस्पतिवार को बताया कि महिला की एसपी के मुताबिक पुलिस की जांच और आरोपियों से पूछताछ में सामने आया लुधियाना में मजदूरी करता था। घर पर उसकी पत्नी, एक साल का बेटा और अब्बास को इसकी जानकारी हो गई थी। अब्बास ने अपनी पुत्रवधू मशकुरा को अनैतिक संबंध बनाने का प्रयास किया था। एसपी के मुताबिक 14 फरवरी की चला गया था। जाबिद के जाने के बाद बाद अब्बास ने रात में अपनी पुत्रवधू के दी थी। संबंध बनाने में असफल रहने पर अब्बास ने अपने पुत्र सलमान को योजना बनाई। इसके बाद अब्बास ने मशकुरा की गला दबाकर हत्या कर दी। मौत होने की जानकारी दी थी। पोस्टमार्टम से खुला राज एसपी एनपी सिंह ने की मौत स्वाभाविक हुई है। गले के निशान के बारे में बताया कि सीढ़ियों से

पुलिस ने खुलासा किया है। पुलिस का कहना है कि अनैतिक संबंध बनाने में विफल रहने पर ससुर ने गिरफ्तार कर लिया।गांव इस्सोपुर खुरगान में 15 फरवरी की रात को मशकुरा का शव कमरे के अंदर पोस्टमार्टम को भेज दिया था। पुलिस ने मामले की गहनता से जांच की, तो महिला की हत्या किया हत्या के आरोप में उसके ससुर अब्बास उर्फ बासा और पति सलमान को गिरफ्तार किया गया है। कि तीन साल पहले मशकुरा की शादी सलमान से हुई थी। शादी के बाद से सलमान पंजाब के पिता अब्बास रहते थे। इसी दौरान मशकुरा के गांव मंडावर निवासी जाबिद से संबंध बन गए थे। जाबिद व उसके संबंधों के बारे में उसके पति व मायके वालों को बताने की धमकी देकर कई बार शाम करीब सात बजे जाबिद फिर से अब्बास के घर पर आया था और मशकुरा के पास एक घंटा रहकर साथ अनैतिक संबंध बनाने की कोशिश की, जिसका उसने विरोध करते हुए अपने ससुर को लात मार फोन पर मशकुरा व जाबिद के संबंधों के बारे में बताया। पिता-पुत्र दोनों ने मशकुरा को मारने की चारपाई पर शव को लिटाकर ऊपर से कंबल डाल दिया था। अगले दिन सुबह ग्रामीणों को पुत्रवधू की बताया कि अब्बास महिला के शव का पोस्टमार्टम कराना नहीं चाहता था। उसने बताया था कि मशकुरा गिरने से उसे गले पर चोट लगी है। अब्बास ने मृतका के परिजनों को भी पोस्टमार्टम न कराने के लिए तैयार कर लिया था, हालांकि पुलिस ने मृतका के भाई शाकिर निवासी गांव मलकपुर थाना कांधला की तहरीर पर दहेज हत्या की प्राथमिकी दर्ज कर ली थी। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में महिला की गला दबाने से मौत होने का खुलासा होने पर ससुर पुलिस के शक के दायरे में आ गया था। पुलिस की पूछताछ के बाद सच्चाई सामने आई। खुद अंदर का कुंडा लगाया-एसपी के मुताबिक पुलिस पूछताछ में अब्बास ने बताया कि हत्या करने के बाद उसने लाठी में तार बांधकर उसके सहारे अंदर से दरवाजे का कुंडा बंद किया था। सुबह ग्रामीणों को भ्रमित करने के लिए आसपास के लोगों को बुलाकर पहले गेट खुलवाने का प्रयास किया था। जब गेट नहीं खुला तो वैल्डिंग मिस्त्री नाजिम व नौशाद को बुलाया और गेट की जाली कटवाकर कुंडे को अंदर से खुलवाया, ताकि किसी को शक न हो सके। अब्बास ने अपने पुत्र सलमान को हत्या की बात बता दी थी, लेकिन उसने भी घटना को छिपाते हुए पुलिस को जानकारी नहीं दी थी।

दैनिक क्यूँ न लिखूँ सच

OWN STATE

www.knlslive.com

20 February 2026

विश्वकर्मा समाज में एकता की पहल, शहरी क्षेत्र के पूर्ण विलय की मांग तेज

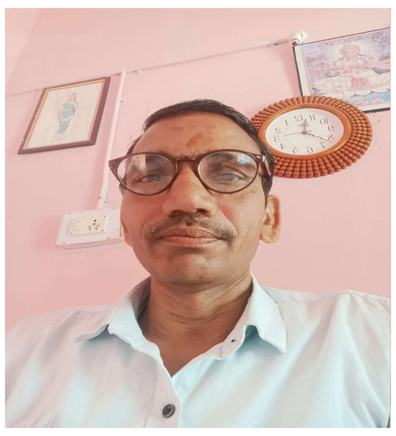

सूरजपुर। विश्वकर्मा समाज जिला सूरजपुर (छत्तीसगढ़) में संगठनात्मक एकता को लेकर बड़ा घटनाक्रम सामने आया है। शहरी क्षेत्र के पदाधिकारियों द्वारा जिला समाज में पूर्ण विलय के संबंध में औपचारिक आवेदन प्रस्तुत किया गया है, जिससे समाज में नई कार्यकारिणी अनुसार 29 सितंबर 2024 को आयोजित जिला स्तरीय बैठक में शहरी एवं जिला अध्यक्ष के रूप में आजाद लाल विश्वकर्मा, सूरजपुर तथा ग्रामीण क्षेत्र थी। आवेदन में स्पष्ट रूप से उल्लेख किया गया है कि समाज की मजबूती, के समस्त पदाधिकारियों एवं सदस्यों का जिला समाज में पूर्ण विलय मंच पर नहीं आया तो संगठन की ताकत प्रभावित हो सकती है। नई विलय के बाद जिला स्तर पर गठित होने वाली नई कार्यकारिणी में शहरी में जिला कार्यकारी अध्यक्ष, जिला उपाध्यक्ष, जिला संगठन मंत्री, जिला महत्वपूर्ण पद शामिल हैं। नियमों के तहत सदस्यों की सहमति मिलने के पदाधिकारियों की घोषणा करने की मांग की गई है। आवेदन के साथ 29 विषय- इस आवेदन के बाद समाज में एकता, नेतृत्व और प्रतिनिधित्व को गठन और प्रतिनिधित्व को लेकर हलचल तेज हो गई है। प्राप्त जानकारी के ग्रामीण क्षेत्र के जिला अध्यक्षों की नियुक्ति की गई थी। बैठक में शहरी क्षेत्र के के जिला अध्यक्ष के रूप में नारायण विश्वकर्मा, मोहनपुर को जिम्मेदारी सौंपी गई संगठन की एकजुटता और भविष्य की रणनीति को ध्यान में रखते हुए शहरी क्षेत्र अत्यंत आवश्यक है। पदाधिकारियों का कहना है कि यदि समय रहते समाज एक कार्यकारिणी गठन की मांग- शहरी क्षेत्र की ओर से यह भी मांग रखी गई है कि क्षेत्र के पदाधिकारियों को उचित प्रतिनिधित्व दिया जाए। प्रस्तावित पैनल सूची मंत्री, जिला सहमंत्री, जिला सह संगठन मंत्री एवं विधि सलाहकार सहित कई बाद वर्तमान शहरी क्षेत्र कार्यकारिणी को भंग कर प्रस्तावित पैनल के अनुसार नए सितंबर 2024 की बैठक की प्रतिलिपि भी संलग्न की गई है। समाज में चर्चा का लेकर चर्चाओं का दौर शुरू हो गया है। अब सभी की नजरें जिला स्तर के निर्णय पर टिकी हैं कि आगामी दिनों में संगठनात्मक ढांचे में क्या बदलाव होते हैं। बिहारपुर से धर्मजीत विश्वकर्मा को बनाया गया जिला संगठन मंत्री आज की विशेष विश्वकर्मा समाज की सामाजिक बैठक में चांदनी बिहार पुर से धर्मजीत विश्वकर्मा को जिला संगठन मंत्री बनाया गया है

शिवपुरी में लगेगा श्रीमद्भागवत कथा का महाकुंभ: 11 मार्च से पदयात्रा, देवकीनंदन ठाकुर की 19-25 मार्च तक 108 कुंडीय भागवत कथा व 1000 सहस्त्र चंडी महायज्ञ

क्यूँ न लिखूँ सच / राजकुमार शर्मा (कटारे)/ शिवपुरी। धर्म, भक्ति और सेवा के संगम के साथ शहर एक बार फिर ऐतिहासिक आध्यात्मिक आयोजन का साक्षी बनने जा रहा है। झांसी रोड स्थित हवाई पट्टी के पीछे नर्सरी ग्राउंड पर 19 से 25 मार्च 2026 चंडी महायज्ञ का भव्य आयोजन किया जाएगा। दरबार) के सान्निध्य में तथा विख्यात कथावाचक धार्मिक कार्यक्रमों की शुरुआत आयोजन की शुरुआत महायज्ञ स्थल तक भव्य पदयात्रा से होगी। इसके कलश यात्रा निकाली जाएगी, जो महायज्ञ स्थल पर शामिल होने की संभावना है। प्रतिदिन रहेगा प्रतिदिन प्रात: 6 बजे से यज्ञ पूजन और अनुष्ठान मूलपाठ, दोपहर 2 से 5 बजे तक श्रीमद्भागवत कथा, सांस्कृतिक कार्यक्रम, 7 से 8 बजे महाआरती एवं संध्या का आयोजन किया जाएगा। 26 मार्च को 11 साथ सामाजिक सरोकार को जोड़ते हुए 26 मार्च को आयोजित किया जाएगा। आयोजन समिति ने इसे अतिथियों के शामिल होने की संभावना कार्यक्रम में

तक 108 कुंडीय श्रीमद्भागवत कथा एवं 1000 सहस्त्र कार्यक्रम का मार्गदर्शन स्वामी नीलमणि दास (खेड़ापति देवकीनंदन ठाकुर के श्रीमुख से होगा। 11 मार्च से 11 मार्च 2026 को प्रात: 8 बजे बलारी माता मंदिर से बाद 18 मार्च को मां राजराजेश्वरी दरबार से विशाल पहुंचेगी। इन यात्राओं में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के आध्यात्मिक अनुष्ठानों का क्रम 19 से 25 मार्च तक प्रारंभ होंगे। सुबह 9 बजे से दोपहर 2 बजे तक भागवत शाम 5 से 6 बजे सम्मान समारोह, 6 से 7 बजे दीपदान, तथा रात्रि में 8 से 11 बजे तक भव्य भजन कन्याओं का सामूहिक विवाह धार्मिक अनुष्ठानों के 11 निर्धन कन्याओं का सामूहिक विवाह समारोह सेवा और मानवता का संदेश बताया है। विशिष्ट उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एवं केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया के साथ बागेश्वर पीठाधीश्वर सहित राजनीति व अध्यात्म जगत की कई प्रमुख हस्तियों के शामिल होने की संभावना जताई गई है। 72 ग्रंथों के रचयिता संत का मार्गदर्शन आयोजन से जुड़े वक्ताओं ने बताया कि पूज्य संत अब तक 72 धार्मिक ग्रंथों की रचना कर चुके हैं, जिनमें से 18 से अधिक भाषाओं में अनुवाद हो चुका है। उनका उद्देश्य सनातन धर्म के साहित्य को विश्व की विभिन्न भाषाओं तक पहुंचाना है। साथ ही विश्वभर में 108 श्रीराम मंदिर निर्माण का संकल्प लिया गया है, जिनमें से 18 मंदिर विदेशों में स्थापित हो चुके हैं। शहर में उत्साह का माहौल आयोजन समिति ने समस्त धर्मप्रेमियों से सपरिवार उपस्थित होकर कथा श्रवण करने और पुण्य लाभ अर्जित करने की अपील की है। शिवपुरी शहर एक बार फिर भक्ति, सेवा और संस्कृति के इस महाकुंभ में डुबकी लगाने को तैयार है।

जायद में उड़द उत्पादन पर जोर, किसानों को नरवाई न जलाने की दी समझाइश

क्यूँ न लिखूँ सच / राजकुमार शर्मा (कटारे)/ शिवपुरी, जिले में उन्नत एवं लाभकारी खेती को

बढ़ावा देने के उद्देश्य से कृषि विभाग द्वारा विकासखण्ड बदरवास के ग्राम धंधेरा, इचौनिया एवं मोहम्मदपुर में कृषक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी में कृषि विभाग, कृषि विज्ञान केंद्र एवं कृषि अभियांत्रिकी कार्यालय के अधिकारियों ने किसानों को जायद मौसम की फसलों और आधुनिक कृषि तकनीकों की जानकारी दी। उप संचालक कृषि पान सिंह करौरिया ने किसानों को संबोधित करते हुए जायद मौसम में मूंग के स्थान पर उड़द या मूंगफली की फसल लेने की सलाह दी। उन्होंने बताया कि इन फसलों से बेहतर उत्पादन और अधिक लाभ प्राप्त किया जा सकता है। कृषि वैज्ञानिक डॉ. विजय सिंह कुशवाह एवं डॉ. नीरज कुशवाह ने ग्रीष्मकालीन उड़द एवं मूंगफली की उन्नत उत्पादन तकनीक, बीज चयन, उर्वरक प्रबंधन एवं कीट नियंत्रण के बारे में विस्तार से जानकारी दी। संगोष्ठी में लगभग 20 किसानों ने अपने खेतों में आवारा पशुओं से फसल सुरक्षा हेतु बाड़/फेंसिंग कर उड़द फसल लगाने का संकल्प लिया। इस अवसर पर सहायक कृषि यंत्री भगवान सिंह नरवरिया एवं अंकित सेन ने किसानों को नरवाई (फसल अवशेष) न जलाने की समझाइश दी। उन्होंने बताया कि नरवाई जलाने से भूमि की उर्वरता घटती है और पर्यावरण को नुकसान पहुंचता है। साथ ही नरवाई प्रबंधन के लिए स्ट्रारीपर (भूसा बनाने की मशीन), सुपरसीडर, हैप्पीसीडर, मल्चर एवं रीपर कम वाइन्डर जैसे कृषि यंत्रों के उपयोग की विस्तृत जानकारी दी। कार्यक्रम में वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी कल्लू कोली सहित विभागीय कर्मचारी एवं क्षेत्र के किसान उपस्थित रहे। कृषि विभाग ने किसानों से वैज्ञानिक सलाह के अनुसार फसल उत्पादन अपनाने एवं पर्यावरण संरक्षण में सहयोग करने की अपील की है।

सीएम योगी से मुलाकात के बाद दोनों डिप्टी सीएम से मिले संघ प्रमुख मोहन भागवत, सियासी तापमान बढ़ा

बुधवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात के बाद संघ प्रमुख मोहन भागवत ने प्रदेश के

दोनों उप मुख्यमंत्रियों से मुलाकात की। इसे लेकर सियासी तापमान बढ़ गया है।लखनऊ में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात के बाद राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत ने प्रदेश के दोनों उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और बृजेश पाठक से मुलाकात की। इसे एक शिष्टाचार भेंट बताया जा रहा है। हालांकि, प्रदेश में मंत्रिमंडल विस्तार और संगठन में फेरबदल की चर्चाओं के बीच सीएम व डिप्टी सीएम से संघ प्रमुख की मुलाकात ने सियासी सरगर्मी बढ़ा दी है। संघ प्रमुख ने दोनों डिप्टी सीएम से बृहस्पतिवार सुबह करीब 10-10 मिनट के लिए मुलाकात कीइसके पहले, मुख्यमंत्री बुधवार को रात आठ बजे संघ प्रमुख से मिले राजधानी के निराला नगर स्थित संघ कार्यालय परिसर में सरस्वती शिशु मंदिर पहुंचे। एकांत में दोनों के बीच करीब 35 मिनट तक बातचीत हुई। संघ प्रमुख दो दिवसीय प्रवास पर राजधानी लखनऊ में थे और बुधवार को उनके प्रवास का अंतिम दिन था। सीएम की भागवत से मुलाकात निहायत ही एकांत में बंद कमरे में हुई। मौजूदा समय में प्रदेश की सियासत के स्तर पर होने वाले बदलाव को देखते हुए इस मुलाकात को काफी अहम माना जा रहा है। दोनों के बीच मुलाकात को भले ही शिष्टाचार बताया जा रहा है किस लेकिन योगी की बार-बार संघ प्रमुख से होने वाली मुलाकातों को लेकर अटकलों का बाजार गरम है।2027 का तानाबाना बुनने में संघ की अहम भूमिका के संकेत-सूत्रों का कहना है कि इधर बीच जिस तरह से संघ प्रमुख का फोकस यूपी को लेकर दिख रहा है और वह किसी न किसी कार्यक्रम के बहाने यूपी आ रहे हैं। उससे साफ है कि 2027 में होने वाले विधानसभा चुनाव का ताना-बाना बुनने में संघ परिवार की भूमिका महत्वपूर्ण होगी। वह जब भी यूपी के दौरे पर होते हैं, सीएम योगी की मुलाकात भी होती रही है। यूपी में अगले साल विधानसभा का चुनाव होने वाला है। इस लिहाज से भी सरकार और संघ के मुखिया की मुलाकात अहम है।

संक्षिप्त समाचार

थाना फिजीकल पुलिस व्दारा वारंटी तामीली मे कार्यवाही करते हुये धारा 135 विधुत अधिनियम मे 04 साल से फरार आरोपी को घनश्याम यादव को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय पेश किया।

क्यूँ न लिखूँ सच / राजकुमार शर्मा (कटारे)/ शिवपुरी-पुलिस अधीक्षक शिवपुरी श्री अमन सिंह राठौड़ द्वारा जिले मे शांति एवं कानून व्यवस्था को बनाये रखने के हुये जिले मे अवैध गतिविधियों, आरोपियों एवं न्यायालय मे लंबित प्रकरणों के निकाल हेतु अधिक से अधिक वारंटियों के खिलाफ कार्यवाही कर गिरफ्तार करने हेतु समस्त थाना प्रभारियों को निर्देशित किया गया है। पुलिस अधीक्षक शिवपुरी द्वारा दिये निर्देशों के पालन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शिवपुरी श्री संजीव मुले एवं सीएसपी शिवपुरी श्री संजय चतुर्वेदी के मार्ग निर्देशन में आज दिनांक 19.2.2026 को माननीय न्यायालय शिवपुरी के प्र.क्र 190/21 मे धारा 135 विधुत अधिनियम मे जारी फऱार वारंटी घनश्याम पिता हल्कूराम यादव उम्र 55 साल निवासी करोंदी कालोनी शिवपुरी को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय पेश किया गया। सराहनीय कार्य- निरी.नम्रता भदौरिया, सउनि नारायण सिह, प्रआर.504 उदल गुर्जर, .प्रआऱ 299 अमित कुमार, सैनिक 104 मनोज शर्मा

प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना (पीएमकेवीवाई 4.0) अंतर्गत नि:शुल्क पंजीयन एवं प्रशिक्षण प्रारंभ

क्यूँ न लिखूँ सच / राजकुमार शर्मा (कटारे)/ शिवपुरी, शासकीय औद्योगिक संस्था, शिवपुरी में प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना (पीएमकेवीवाई 4.0) के अंतर्गत युवाओं के कौशल विकास हेतु मेटल फेब्रिकेटर शॉर्ट टर्म कोर्स संचालित किया जाएगा। योजना का उद्देश्य युवाओं को उद्योग आधारित प्रशिक्षण प्रदान कर उन्हें बेहतर रोजगार एवं स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराना है। योजना के नोडल अधिकारी दिलीप वर्मा ने जानकारी दी कि शॉर्ट टर्म कोर्स हेतु पंजीयन प्रक्रिया प्रारंभ हो चुकी है, जो पूर्णत: नि:शुल्क है। इच्छुक छात्र एवं छात्राएँ, जिनकी न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता 12वीं उत्तीर्ण एवं आयु 18 वर्ष या उससे अधिक है, संस्था में उपस्थित होकर अपना नि:शुल्क पंजीयन करा सकते हैं। प्रशिक्षण के प्रमुख लाभ इस प्रशिक्षण के प्रमुख लाभ है जिसमें यह प्रशिक्षण उद्योग उन्मुख एवं व्यवहारिक प्रशिक्षण है। नवीनतम तकनीकी प्रक्रियाओं का व्यावहारिक अनुभव, सरकारी मान्यता प्राप्त प्रमाणपत्र, रोजगार एवं स्वरोजगार के अवसर, प्रशिक्षण उपरांत उद्योग भागीदारों से प्लेसमेंट सहायता, नि:शुल्क पंजीयन एवं प्रशिक्षण सुविधा रहेगी। इच्छुक अभ्यर्थियों से निर्धारित समयावधि में पंजीयन कराने का आग्रह किया गया है।

अविमुक्तेश्वरानंद ने कसा तंज, 101 बटुकों का पूजन करने से नहीं धुल सकता माघ मेले में हुई घटना का पाप

शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने कहा कि उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने 101 बटुकों का पूजन किया,

इससे इलाहाबाद में हुई घटना का पाप नहीं धूल सकता है।प्रदेश के उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक द्वारा 101 बटुकों को घर पर बुलाकर अंगवस्त्रम और तिलक लगाकर पैर छूकर सम्मान करने पर शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने भाजपा सरकार पर जमकर निशाना साधा। कहा कि उन्होंने ये करके अपनी भावना दिखाई है और जताया कि जो प्रयागराज में हुआ वह पाप था उसको धोने के लिए मैं अपना प्रयास कर रहा हूं। इससे प्रयागराज में घटना का पाप नहीं धुल सकता है। 101 बटुकों पर पुष्पवर्षा कर और तिलक कर सम्मानित करना कोई कार्रवाई नहीं है, ये राजनीति है।कहा कि जो वास्तविक पीड़ित है, जिस बटुक की चोटी खींची गई उसके पास जाते कि अपने पसंद के बटुक बुला लिए और चंदन लगा दिए। ये राजनीति नहीं है तो क्या है। उन्होंने कहा कि 20 दिन का अल्टीमेटम 11 मार्च को पूरा हो रहा है। इस दिन लखनऊ जाएंगे और वहीं जांच के बाद जो निष्कर्ष निकलेगा वही घोषित करेंगे। कहा कि गोरक्षा की मांग को लेकर 11 मार्च को लखनऊ में साधु- संतों और सनातनियों के साथ जाएंगे। कहा कि भाजपा के 100 से ज्यादा कार्यकर्ता, पूर्व विधायक, अध्यक्ष जैसे पदाधिकारी रक्षा को लेकर प्रदेश सरकार की मनसा स्पष्ट न होने के कारण मेरे शरण में आ रहे हैं और पार्टी को भी छोड़ रहे हैं।

Just 10 seconds of pause can change your life. Read how 'mindful pause' is beneficial.

We often react out of anger or excitement, only to regret it later. In such situations, a mindful pause can prove to be very helpful. Taking a few seconds before reacting gives your mind time to think and make better decisions. A 10-decisions. A mindful pause provides habit strengthens relationships and habit can eliminate major conflicts in your hearing someone or seeing a situation, improving them. However, psychologists seconds before reacting to any situation, is called a mindful pause. Let's learn more to the American Psychological instead of reacting immediately to an brain becomes active. This part of the reason, distinguish between right and Impulsive reactions are often driven by pause are based on logic. Three major this small habit can bring three positive Improved control over emotions: When opportunity to understand your emotions. anything wrong in anger. This pause helps in making right decisions: A few seconds see the situation more clearly. When the

20-second pause helps in making better control over emotions and calmness. This reduces conflict. Did you know that one small life? Often, we react immediately after which often worsens things instead of believe that if you pause for just 10 to 20 your decisions can be much more wise. This about it. What does science say? According Association, when we pause for a moment arousing situation, the prefrontal cortex of our brain is crucial because it empowers us to wrong, and make balanced decisions. emotions, whereas decisions made after a benefits of pausing for 10 seconds: Adopting changes to your personality and life: you pause for a few seconds, you have the This prevents you from saying or doing calm the volcano of anger within you. Helps of silence calms your mind, allowing you to mind is calm, it is free of confusion, allowing you to make more intelligent and accurate decisions. Strengthening relationships - Most of our conflicts and misunderstandings are caused by our knee-jerk reactions. Responding thoughtfully and positively reduces unnecessary arguments. This not only improves communication, but also strengthens and deepens your relationships. Mindful pausing isn't a difficult practice. The next time you feel angry or uncomfortable, simply count to 10 and give your brain's prefrontal cortex a chance to work.

Make this easy recipe for melt-in-your-mouth spongy dhokla, and you won't miss the market taste.

Have you ever had a dhokla you made with great enthusiasm, but instead of being soft like cotton, it ended up being as tight as rubber? Or did you feel your throat drying up while eating it? Often, looking at that tangled, "What magic do these don't need much extravagance to ingredients: Gram flour: 1.5 cups sour) Semolina: 1 tablespoon (this teaspoon Turmeric: just a pinch packet For the tempering: Dhokla recipe: First, sift the gram ginger-chilli paste, salt, and a batter that's neither too thick nor when you'll be done. The gram Heat water in a steamer or pan. flour batter and sprinkle a direction. You will see that the onto an oiled plate and steam it to making it juicy lies in the curry leaves, and chopped green a cup of water, a little sugar, and dhokla cools slightly, cut it into over it. This water will penetrate

yellow, and juicy dhokla in the market, we wonder, confectioners put into it?" Ingredients for Dhokla You make a perfect dhokla. Just gather these few (finely sieved) Yogurt: 1/2 cup (preferably slightly makes the dhokla grainy) Ginger-chilli paste: 1 (too much turmeric can cause red spots) Fruit salt: 1 mustard seeds, green chilies, curry leaves, and sugar. flour and semolina into a large bowl. Add the yogurt, pinch of turmeric. Add water little by little to form a too thin. Let this batter rest for 10 minutes—this is flour absorbs water and sets. Now comes the real trick. When the water starts boiling, add Eno to the gram spoonful of water on it. Stir it vigorously in one batter has doubled in size. Immediately turn it out for 15-18 minutes. The dhokla is ready, but the secret tempering. Heat oil in a small pan, add mustard seeds, chilies. When the tempering starts to crackle, add half lemon juice. Cook this water until it boils. When the desired pieces and sprinkle the hot tempering water the dhokla's mesh, making it juicy and soft. Remember, always cut the dhokla only after it has cooled down, otherwise it will become soft and juicy. It may break. Don't forget to sprinkle finely chopped coriander leaves and grated coconut on top.

Taj Mahotsav 2026: This time, the event will be held at a new venue, not Shilpgram; read ticket prices and timings.

Agra's famous "Taj Mahotsav" will be held from February 18 to 27, 2026. This festival is a confluence of art, culture, and cuisine, featuring performances by over 400 artisans from across the country, cultural programs such as classical dance, folk Tickets will be available only at the venue. The Taj Mahotsav is being held at a ground near Fatehabad. This confluence confluence of art, culture, crafts, and delicious cuisine. Agra, is once again gearing up for its grand annual festival, the and delicious cuisine, this is the perfect time to visit Agra. Let can we book its tickets, how much is its price and what is its Mahotsav 2026 is being organized from 18 February to 27 will last for 10 days, will be open for visitors every day from - Usually the Taj Mahotsav was organized in Shilpgram, but ongoing construction work (Unity Mall) in Shilpgram. This open ground located near the 'I Love Agra' Selfie Point on been kept very affordable to allow people from all walks of person Children (up to 3 years) - Entry is completely free tourists School Children - ?700 for a group of 50 children in How to get tickets? Please note that there is currently no online purchase physical tickets from the ticket counters located at The Taj Mahotsav is not just a fair, but a glimpse of Indian across the country showcase their art here. You can see and silk, Lucknow's Chikankari, marble inlay work from Agra, Pashmina, and bamboo from the Northeast. Cultural programs will be presented every evening on the main stage and the musical brilliance of artists like Sachin and Jigar

music, and comedy, and a variety of delicious dishes. will run from February 18 to 27, 2026. This year, it of art, culture, crafts, and delicious cuisine is a world-famous for its symbol of love, the Taj Mahal, "Taj Mahotsav." If you are a lover of art, culture, us know when the Taj Mahotsav is starting, how specialty. Date and time of the Mahotsav Taj February 2026. This cultural Mahakumbh, which 10:00 am to 10:00 pm. Where is it being organized? this time the venue has been changed due to the year the Mahotsav is being organized in the huge Fatehabad Road. Ticket Prices - Ticket rates have life to enjoy the Taj Mahotsav. Adults - ?50 per Foreign Tourists - Entry is also free for foreign uniform. Free entry for two teachers along with them ticketing system for the Taj Mahotsav. You must all entry points to the venue. Highlights of the Festival culture. Arts and Crafts - Over 400 artisans from purchase exquisite products made from Banarasi carved wood from Saharanpur, Kashmir's Programs - Classical dance, folk music, and other of the festival. This year, Krishna Abhishek's comedy will entertain the audience. Food - If you're a foodie, the food court will not disappoint. From Mughlai cuisine to famous street foods from different states of the country, you'll find them all under one roof.

Salim Khan is the head of a 17-member family. Who all are included in this cinematic 'family'?

Film writer Salim Khan's name is currently in the news due to his ill health. Meanwhile, we're going to tell you about the Sholay film writer's family, which includes a family of 17 members.

Salim Khan admitted to Lilavati Hospital - Salim Khan's family is quite large - These members are part of the Sholay film writer's family. Due to a sudden deterioration in his health, film writer Salim Khan has been admitted to Lilavati Hospital in Mumbai. Salman Khan and all his family members were seen arriving at the hospital one by one to check on Salim's condition. During this, we're going to tell you about Salim Khan's family tree, which includes the names of 17 members. Let's find out who is included in this famous cinematic family. Salim Khan, the head of a family of 17, hails from Indore, Madhya Pradesh, and came to Mumbai to make a name for himself in the film industry. After failing to achieve significant success in acting, he began scriptwriting with Javed Akhtar, and established his reputation in the industry by penning the stories for several cult classics like Sholay, Don, and Deewar. Salim Khan's family includes his two wives, Salma Khan (Sushil Charak) and Helen. Helen was Salim's second marriage. Next comes Salim and Salma's children, including superstar Salman Khan, Alvira, Arbaaz Khan, Sohail Khan, and younger daughter Arpita. It's worth noting that Arpita was adopted by Salim Khan. Next comes Arjab Khan's second wife, Shura Khan, and the rest of the family, including grandchildren Arhaan, Nirvaan, Yohan, and Sipara. Apart from this, the names of Ayan Agnihotri, Alizeh Agnihotri, Ahil and Ayat Sharma are present in the grandchildren. Actors Atul Agnihotri and Aayush Sharma are also an important part of this family as sons-in-law. While the names of Malaika Arora and Seema Sajdeh are also included in the ex-daughters-in-law. Thus, Salim Khan's current big family of 17 members is complete. Salim Khan's condition is stable - Recently, a fresh update on Salim Khan's health has come from the doctor of Mumbai's Lilavati Hospital, in which it has been informed that at present, the condition of Salman Khan's father is stable.

In 1952, she became a global sensation; an Englishman kissed her hand, setting her on fire; her career blossomed with Raj Kapoor. Nimmi's story.

On one side, Hollywood glamour and on the other, Indian culture. Nimmi was an actress of Indian cinema who made films on her own terms and worked in cinema on her own terms. This is why she received offers for major Hollywood films. Rejecting Hollywood offers ruined Nimmi's career with one mistake. Raj Kapoor made Nimmi a star. A big screen and on that screen, a beautiful girl, laughing and chirping... Nawab Bano, or Nimmi. That magical-eyed "Nawab Bano," known worldwide as Nimmi. A discovery of Raj Kapoor, who brought "Barsaat" to life as soon as she stepped onto the screen. A star for whom even film distributors would fight among themselves, saying, "Don't kill Nimmi in the film, the public won't tolerate it." From this, you can imagine the stardom of that beauty at the pinnacle of fame. But how did Nimmi, who reached that pinnacle of fame, meet her end? Why did she leave the industry at the peak of her career? Let's learn the story of 'The Unkissed Girl of India'... This was Nimmi's childhood: When Nimmi entered Hindi cinema, it was a time when cinema was taking new paths. Nimmi was the actress who worked in Raj Kapoor's first color film. Actress Nimmi's real name was Nawab Bano. She was born on February 21, 1932, in Agra. Nimmi's father, Abdul Hakim, was a contractor in the army, while her mother was a prominent singer and actress. As a result, Nimmi had a childhood passion for cinema but lacked motherly love. When she was 11 years old, her mother passed away. After her death, her grandmother raised her. Nimmi worked in the fields as a child, so she couldn't go to school. Later, when riots broke out in the country during Partition, she moved to Bombay with her grandmother. This is how Nimmi entered films: When Nimmi was entering Hindi cinema, she was acquainted with filmmaker Mehboob Khan, thanks to her mother, who had been an actress. Mehboob Khan then invited her to watch the shooting of the film "Andaz." Raj Kapoor was filming there when Nimmi arrived at the studio. This led to Nimmi meeting Raj Kapoor. Raj Kapoor was looking for a new face for his film "Barsaat." Finally, he found Nimmi as the second lead. She appeared opposite Premnath in this film, marking her debut and never looking back. She appeared in several hit films. After this film, Nimmi began receiving offers for major films. She was extremely cute and beautiful, so she was offered good roles. Nimmi had no shortage of films. However, she was receiving more offers for second lead roles. Nimmi felt that playing the second lead in films would not be a good career. She rejected many film offers due to this. Eventually, Nimmi agreed to some films for financial reasons, and then she also received some lead roles. She appeared in several films, including "Aan," "Deedar," "Saza," "Udan Khatola," "Bhai-Bhai," and "Kundan." The title of "The Unkissed Girl of India" is a well-known story. Nimmi earned the title of "The Unkissed Girl" in London. In 1952, when her film "Aan" premiered in London, major Hollywood stars were present. The film premiered at the Rialto Theatre in London, where several foreign filmmakers and actors also attended. Errol Flynn, a famous actor of that era, tried to kiss her hand, but Nimmi pulled her hand back and said, "I'm an Indian girl, we don't do that." The next day, the headline in London newspapers read "The Unkissed Girl of India." This story became quite popular in India as well. It is said that at the premiere of this film, some filmmakers offered Nimmi a Hollywood film, but she turned it down. Hollywood films often feature lovemaking scenes, which Nimmi was uncomfortable doing, and that's why she turned down these offers. Nimmi's career was ruined. It is said that after the death of her character in the film "Aan," the distributors complained that the audience couldn't bear to see Nimmi die. A new dream sequence was added to the film so that Nimmi would appear on screen longer. Legends like Raj Kapoor, Dev Anand, and Dilip Kumar longed to work with Nimmi. In the 1963 film "Mere Mehboob," Nimmi was offered the second lead role, as she wanted to play Rajendra Kumar's sister. Although director Harman Singh Rawail approached her for the lead role, Nimmi refused. Ultimately, Nimmi landed the second lead role, while Sadhana got the lead role. This film catapulted Sadhana's career, and Nimmi began receiving more second lead roles. "Pakeezah" is also considered the biggest mistake in Nimmi's career. It is said that she was initially offered the lead role, but the film took so long to be made that Meena Kumari ultimately took the lead. She left Bollywood after marriage. It is said that Nimmi once had a strong crush on Dilip Kumar. However, Nimmi was linked with many other men. But she fell in love with the renowned screenwriter S. Ali Raza. It is said that they fell in love during the shooting of the film "Aan" and married in the 1960s. Ali Raza had written films like "Aan" and "Andaz" for Nimmi. The two had no children, but their relationship remained intact until Ali Raza's death. Her husband passed away in 2007. Although Nimmi did adopt her sister's son. Actress Nimmi's final years were not spent in anonymity, but in peace. However, she became quite lonely after her husband's death. She passed away on March 25, 2020, at the age of 88 in Mumbai. Throughout her career, Nimmi acted in numerous films, earned considerable fame, and left many memorable gifts to Hindi cinema.